



UDISE Code- 20110108005, JEPC Code- RTE/20/2021-22
Affiliated By Jharkhand Education Project Council

RGS गुरुकुल
(An Unit of Shatan Ashram)

Bright Future for your Kids
For More Detail : www.rsggurukulam.com, Email- gurukulamrgs@gmail.com

Dhadhkia, Dumka, Mob.- 8409399342 (Principal), 7903712653 (Vice Principal)

Class Nursery to VIII
Medium Hindi & English
Admission Open
For More Detail : www.rsggurukulam.com

School Ven Facility Available

Opening Shortly IX to X JAC Board

Drawing Class, Midday Meal, Computer Class, Yoga Class, Science Lab, Smart Class

लालू यादव के करीबियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

पटना/एजेंसी।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबियों के खिलाफ शुक्रवार सुबह से ही केंद्रीय जांच एजेंसियों का बड़ा एक्शन जारी है। ईडी की टीम सुबह से ही लगातार लालू के करीबियों के देशभर के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुये जमीन के बदले नौकरी मामले में सच ऑपरेशन शुरू किया। लालू प्रसाद यादव से जुड़े कई रिश्तेदारों सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ दिल्ली -उठफेक करीब 15 से ज्यादा लोकेशन पर सच ऑपरेशन की खबर आ रही है। वहीं मुंबई, पटना और रांची के कई ठिकानों पर भी ईडी की छापेमारी जारी है। ईडी की ये रेंज तेजस्वी यादव और आरजेडी नेता अबू दुजाना के अलावा दिल्ली में तेजस्वी यादव की बहन हेमा यादव और गाजियाबाद में बहन रागिनी के यहां भी चल रही है। कुल 15 से 20 लोकेशन हैं यूपी, बिहार, मुंबई और दिल्ली की जहां रेंज चल रही है। आरजेडी नेता अबू दुजाना के यहां फुलवारी शरीफ में भी छापेमारी हो रही है। दिल्ली में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी



यादव के घर पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। ये घर दिल्ली के फ्रेंड्स कॉलोनी में स्थित है। इस मामले में लालू यादव और उनका परिवार भी आरोपी है। लालू यादव और राबड़ी देवी से पिछले दिनों सीबीआई की टीम ने पूछताछ भी की है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार कथित 'जमीन के बदले नौकरी' घोटाले की जांच के घेरे में है। सीबीआई की टीम ने लालू और राबड़ी देवी से इस केस के सिलसिले में हाल ही में पूछताछ की है। बता दें कि जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ

ललन सिंह की शिकायत पर ये केस शुरू हुआ था। पटना में सबसे पहले लालू प्रसाद के काफी करीबी माने जाने वाले आरजेडी नेता अबु दोजाना के घर पर ईडी ने जमीन के बदले नौकरी मामले में रेंज मारी है। अबु दोजाना के पटना के फुलवारीशरीफ स्थित हारून नगर में छापेमारी की गयी। ईडी की टीम ने अबु दोजाना के घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की। वहीं ईडी की टीम अबु दोजाना के एस्प्री वर्मा रोड स्थित कार्यालय में छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि जमीन के बदले नौकरी मामले में एऊद्वारा हुई

है पहली बार कार्रवाई है। लालू प्रसाद यादव से जुड़े कई रिश्तेदारों सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ सच ऑपरेशन और छापेमारी चल रही है। दिल्ली- एनसीआर के करीब 15 से ज्यादा लोकेशन पर छापेमारी शुरू हो गई है। बिहार के कई लोकेशन भी पर सच ऑपरेशन चल रहा है। आरजेडी के पूर्व विधायक अबु दोजाना सहित अन्य के खिलाफ भी इसी मामले में कार्रवाई की जा रही है। वहीं इससे पहले जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी और मोसा भारती से हाल में पूछताछ की है।

भारत में इन्फ्लुएंजा से मौत की पुष्टि

केरल और हरियाणा में 2 मौतों से मचा हड़कंप

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत में इन्फ्लुएंजा वायरस एच3एन2 से पहली मौत का मामला सामने आया है। बताया गया है कि कर्नाटक के हासन के रहने वाले एक 82 वर्षीय व्यक्ति की इस वायरस से मौत की पुष्टि हुई है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी के मुताबिक, मृत का नाम हीरा गौड़ा है। उसकी एक मार्च को मौत हुई थी। अब टेस्टिंग में पता चला है कि वह एच3एन2 वायरस से संक्रमित था। एच3एन2 इन्फ्लुएंजा की वजह से देश में अब तक दो लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी



है। आधिकारिक सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को न्यूज़18 को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक मौत कर्नाटक में दर्ज की गई, जबकि एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के कारण हरियाणा में दूसरी मौत हुई

है। देश में अब तक एच3एन2 इन्फ्लुएंजा के कुल 90 मामले और एच1एन1 के आठ मामले सामने आए हैं। सूत्रों ने बताया कि भारत ने फिलहाल आबादी में घूम रहे इन दो तरह के इन्फ्लुएंजा वायरस का पता

लगाया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर ने कहा था कि राज्य में इन्फ्लुएंजा ए एच3एन2 वेरिएंट वायरस के संक्रमण से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि लोगों को सावधानी बरतने के लिए जल्द ही दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और सभी अस्पतालों के स्वास्थ्य कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से फेस मास्क पहनने का निर्देश देते हुए आदेश जारी किया जाएगा। सुधाकर ने 6 मार्च को कहा था कि राज्य में 26 लोगों के एच3एन2 टेस्ट पॉजिटिव आए हैं और इनमें से दो मामले बेंगलुरु से हैं।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल-डीजल के बदल गए रेट

नई दिल्ली/एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में शनिवार को हल्की तेजी देखने को मिल रही है। क्रूड आज 0.96 डॉलर (1.27 फीसदी) बढ़कर 76.68 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। देश में भी कई जगहों पर पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने हर सुबह की तरह ईंधन के नए रेट जारी कर दिए हैं। आज हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल की कीमत में 63 पैसे की गिरावट है और ये 95.07 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है।

बिज्ञेस

बीएसई सेंसेक्स

59,135.13-671.15 (1.12%)
निफ्टी
17,412.90-176.70 (1.00%)

सिसोदिया की कोर्ट में पेशी, ईडी ने मांगी 10 दिनों की रिमांड

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को शहर की एक अदालत में पेश किया और उनकी 10 दिन की हिरासत मांगी। ईडी ने दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के एक मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया है। सिसोदिया की पेशी के मद्देनजर 'राज एवेन्यू' अदालत परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा बल की भारी तैनाती की गई। आम आदमी पार्टी (आप) के समर्थकों ने अदालत परिसर के बाहर धरना दिया और सिसोदिया के समर्थन में नारे लगाए, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थकों ने इस मामले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। संधीय एजेंसी ने विशेष न्यायाधीश एम. के.



नागपाल के समक्ष सिसोदिया को पेश किया। मनीष सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति (जिसे अब वापस ले लिया गया है) में कथित अनियमितताओं के मामले में 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने इसी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में तिहाड़ जेल में सिसोदिया से पूछताछ की और बृहस्पतिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

ASHOKA LIFE CARE YOUR WAY TO BETTER HEALTH

Nucare Hospital

1st Private Setup in Santhal Paragna Modular OT Oxygen Plant

Ashoka Life Care

DR. NURUL HUDA MBS, MD Anesthesia

DR. INDRADEV KISKU MBS General Medicine

DR. PARVEZ ALAM MBS General Medicine

DR. TUSHAR JYOTI MBS, M.S. (Ortho) MCh (Ortho) Senior Orthopedic Consultant

DR. UJJAWAL SINHA MBS, DNB (Ortho), Arthroscopy & Arthroplasty Surgeon

DR. AVIJET MBS, M.S. (Ortho) DNB (Ortho)

DR. IFTIKHAR AHMAD MBS (Ortho)

DR. SHASHI MBS M.S. (Gen. Surgery)

OUR FACILITY

1. Orthopedics
2. Joint Replacement
3. Joint Arthroscopy
4. Spine Injuries
5. Complex Trauma
6. General Surgery
7. Physiotherapy
8. ICU
9. DR System X-RAY
10. Laboratory Service (Home Collection done)
11. Pharmacy

यदि आपको किञ्चलिखित समस्या है

- खल से संबंधित चोटें
- घुटनों के सिगापेट की चोटें
- कंधे की चोटें
- कंधे का बार-बार छरलना
- भांसपियों की चोटें
- दूरबीन के अपरेशन
- पी.आर.पी. ट्रीटमेंट
- स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपी

दर्द का इलाज

बिना ऑपरेशन

अधुनिक रणनीतियों और उपकरणों के द्वारा आपके सभी तरह के दर्द का उचित इलाज

कम दर्द, खींच-पिंच, पूर्ण दर्द, घुटनों का दर्द, जोड़ी का दर्द, लीज का दर्द, टांगों का दर्द, टांगों का दर्द, पीठ का दर्द, सिर का दर्द, कंधे का दर्द, कंधे का दर्द, कंधे का दर्द

डॉ. समीर सोरभ
पैन स्पेशलिस्ट
M.B.B.S., M.D., FIPM (GER)

आयुष्मान भारत 5 लाख रु. तक गरीब परिवारों का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा

मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना

CALL 7480942213

KUMHAR PARA DUMKA, JHARKHAND

DIKSHA EYE CARE

दीक्षा आई केयर एवं ऑप्टिकल्स

डॉ. दिवाकर वत्स Post Graduate Ophthalmology MOMS CHANDIGARH

नेत्र विशेषज्ञ

- कम्प्यूटर मशीन द्वारा ऑक्स जॉब की सुविधा
- फेको मशीन द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा
- एडोस्कोपीक द्वारा कान, नाक, गला इलाज की सुविधा

पता : दुर्गा स्थान के पीछे, जिम के बगल में दुमका
मौ. : 8709418963

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556



मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिग रोड, दुमका (झारखंड)



संक्षिप्त समाचार

25 मार्च को होगा विशाल भगवती जागरण

दुमका/झारखंड देखो। हर साल की भाँति इस साल भी जय माता दी सेवा समिति द्वारा स्थानीय यज्ञ मैदान में आगामी 25 मार्च 2023 दिन शनिवार को पूर्ण विधि विधान से माता का भव्य एवम् विशाल भगवती जागरण कार्यक्रम अयोजित किया जाएगा। जिसमें देश के कई नामी-गिरामी कलाकार अपने सुरमयी भक्ति गीत- संगीत से दुमका शहर को पवित्र करेंगे। इसके साथ ही इलाहाबाद के तरुण चोपड़ा की झाँकी जागरण के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेगी साथ ही दुमका के प्रसिद्ध धर्मस्थान मंदिर से माता का दिव्य ज्योत गाजे-बाजे के साथ यज्ञ मैदान जागरण स्थल लाया जाएगा। जहाँ पूर्ण विधि विधान से माता का पूजन और रात्रि जागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा इस उपलक्ष्य में पूरे शहर का माहौल भक्तिमय हो जाता है। साथ ही शहर को पूर्ण रूपेण फूल-मालाओं और आधुनिक डिजिटल लाइट के सुज्ज्वलित किया जाएगा। शहर के मुख्य चौक-चौराहों में कई तोरण द्वार बनाए जाएंगे। साथ ही धर्मस्थान में काली का इस दिन भव्य श्रृंगार भी किया जाएगा जो आकर्षण का मुख्य केंद्र होगी। इसके अतिरिक्त जागरण के उपरान्त रविवार को अहले सुबह यज्ञ मैदान में कुवारी कन्या भोजन का भी आयोजन होगा। साथ ही संस्था समय माता की भव्य शोभा यात्रा सदस्यों द्वारा निकाली जाएगी जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए बड़ा बाँध तालाब पहुँच कर कलश विसर्जन होगी।

संघ का चुनाव कराने को लेकर बातचीत

दुमका/झारखंड देखो। दुमका जिला के सीनियर क्रिकेट टीम के झारखंड राज्य द्वारा आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु आज टीमों के कप्तानों ने जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष विजय सिंह से मुलाकात की और उन सब के तरफ से सर्वसम्मति से एक टीम बनाकर उनके सौपा और निवेदन किया कि अब जब कि एड हॉक कमेटी (वर्तमान एसोसिएशन एवं सचिव) का कार्यकाल भी खत्म हो गया है और नए सिरे से एसोसिएशन का चुनाव होना है ऐसे में अध्यक्ष की अध्यक्षता में ही इस बार टीम को भेजना आवश्यक हो गया है साथ ही जिला क्रिकेट संघ का चुनाव कराने को लेकर भी बातचीत की और अध्यक्ष ने इस दिशा में पहल करते हुए एक चुनाव समिति बनाने का निर्णय किया और इसका जिम्मा भी सभी 10 टीमों के कप्तानों को ही सौंप दिया। दुमका जिला के सीनियर जिला की टीम में सूरज पाठक (कप्तान), आशीष कुमार -(उपकप्तान), लक्ष्मण यादव, विक्की यादव -(विकेटकीपर), विनय यादव, शुभांशु वर्मा, अंकित राउत, अंकुश कुमार, चंचल राउत, आयुष्मान झा, समीर पंडित, शुभम कुमार, विशाल राउत, अमन साह, कुणाल यादव, मोहित सिंह शामिल हैं।

नाबालिग प्रेमी जोड़े को पुलिस ने किया बरामद, आरोपी किशोर भेजा गया बाल सुधार गृह

दुमका/झारखंड देखो। विगत एक सप्ताह से फरार नाबालिग प्रेमी जोड़े को रामगढ़ थाना पुलिस ने बरामद कर लिया है। नाबालिग किशोरी के परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर अपनी बेटी को शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण करने तथा भगाकर ले जाने की शिकायत रामगढ़ थाना पुलिस से की थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के घर से दोनों को बरामद करने के बाद दुमका स्थित सीडब्ल्यूसी के समक्ष पेश किया जहाँ युवती ने मैजिस्ट्रेट के समक्ष अपने परिजनों के साथ जाने की इच्छा व्यक्त की जिस पर युवती को परिजनों के साथ भेज दिया गया। जबकि नाबालिग किशोर को हिजला स्थित बाल सुधार गृह भेजा गया है।

मारपीट करने एवं जातिसूचक गाली देने का आरोप

दुमका/झारखंड देखो। जामा थाना क्षेत्र के तीनघरा गांव से एक ब्यक्ति के साथ जाति सूचक गाली गलौज करने एवं मारपीट का मामला सामने आया है। जिसको लेकर तीनघरा गांव के पीडित सुखदेव रजक ने जामा थाना में शुकवार को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है। पीडित सुखदेव रजक ने जामा थाना में दिये आवेदन में बताया है कि मैं गुरुवार की दोपहर करीब एक बजे चापाकल में स्नान करने के बाद अपने घर जा रहा था, तभी बलमडीह गांव के राजेश मंडल अपनी मोटरसाइकिल रोककर जातिसूचक गाली गलौज करने लगा, मना करने पर मारपीट किया, साथ ही कपड़ा भी फाड़ दिया इतना ही नहीं बीच बचाव के लिए पहुंची पत्नी के साथ भी आरोपी ने गाली गलौज करते हुए अभद्र व्यवहार किया। इतने में हल्ला सुनकर ग्रामीणों के आते ही आरोपी मौके से भाग खड़ा हुआ। मामले को लेकर जामा थाना पुलिस सत्यता की जांच शुरू कर आवश्यक जांच पड़ताल करने में जुट गई है।

राजकिशोर का 45 वर्ष की उम्र में असाधारण निधन

दुमका/झारखंड देखो। जामा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जामा प्रखंड क्षेत्र के बारा पंचायत के भौरा गांव के रहने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा जामा प्रखंड उपाध्यक्ष राजकिशोर मुर्मू का रांची के रिम्स अस्पताल में गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। आज शुकवार को सुबह उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव भौरा लाया गया है जिसके बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जामा प्रखंड सचिव सत्तर खान ने बताया कि 45 वर्षीय राजकिशोर मुर्मू झारखंड मुक्ति मोर्चा में लंबे समय से सक्रिय रूप से कार्यरत थे, वर्तमान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के जामा प्रखंड उपाध्यक्ष जिला कार्यसमिति के सदस्य और बारा पंचायत के झामुमो पंचायत सचिव की भूमिका निभा रहे थे। उनके घरवालों ने बताया कि झामुमो नेता राजकिशोर मुर्मू लंबे समय से बीमार चल रहे थे उनका इलाज रांची स्थित रिम्स अस्पताल में चल रहा था। उन्होंने गुरुवार को अंतिम सांस ली। वे अपने पौछे 4 पुत्री पत्नी समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता कुणाल सिंह उर्फ झुनु, झामुमो प्रखंड सचिव सत्तर खान, पिपरा ग्राम प्रधान प्रेमनाथ कुंवर, सुभाष नाग सहित अन्य राजकिशोर के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन करने पहुंचे और शोककुल परिवार को ढांडस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

बाल विवाह उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो।

इंडोर स्टेडियम, दुमका में जिला प्रशासन, दुमका एवं लहान्ती, दुमका की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के अवसर पर बाल विवाह उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा एवं उपायुक्त, दुमका द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण विभाग, दुमका में सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें दसों प्रखंड की महिला सुपरवाइजरों एवं सेविकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। रानीश्वर प्रखंड की चांदनी राय एवं शिकारीपाड़ा प्रखंड की निशा राय ने अपने बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई। जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने सबसे पहले सभी



को बधाई देते हुए आने वाले कल को बेहतर बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जा रहा। मुझे इस दिन का बेसबरी से इंतजार रहता है। आज के

समय में सभी महिलाएं इस दिवस को लेकर जागरूक हुई हैं। महिलाएं बाल विवाह के प्रति जागरूक होकर सभी ने अपना आवाज उठाया जिसका फलफल आज दिख रहा है। इससे संबंधित सती प्रथा, देहेज

प्रथा, भ्रूण हत्या जैसी चीजों के बारे में भी बताया कि यह समाज के लिए एक अभिसाप है। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनको सम्मान है जिन्होंने इस दिवस को मानने का कार्य किया है। आज पुरुषों के साथ

सशक्त देश निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम है

कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है महिलाएं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार कई कदम उठा रही है। महिलाएं घर चलाती हैं। आज के समय में समाज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। लड़कियों को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय, हॉस्टल इत्यादि खोले जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के सशक्त करने हेतु कई उद्घरण से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। आज के समय में आपके परिवार से लेकर आपके समाज, आपके जिले, आपके राज्य, आपके देश में कोई ऐसा पल नहीं है जहां महिलाओं की सहभागिता न हो। महिलाएं सशक्त होकर हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं ' यह कार्यक्रम सिराफ सार्कैतिक नहीं है यह आभार प्रकट करने का तरीका है। महिलाएं

केवल पुरुषों के जीवन में बदलाव नहीं लाती है बल्कि वो दूसरे महिलाओं के जीवन में भी बदलाव लाती है। महिलाओं को सम्मान देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज सविधान में कई प्रावधान बनाए गए हैं। ऐसे प्रावधानों को कमी नहीं है जिसके तहत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से महिलाओं को सम्मान दिलाने का काम किया जा रहा है। महिलाओं एवं पुरुषों के लिए समान अवसर प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। सबके लिए समान व्यवस्था प्रदान करने का प्रयास आज भी जारी है। देश में कई प्रावधान महिलाओं के सशक्तिकरण में उपयोगी है। हम सभी नागरिकों को अपने आस पास के महिलाओं के लिए समान व्यवस्था सृजित करने हेतु प्रयास करने रहने की आवश्यकता है। हम सभी के जीवन में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि सशक्त देश निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम है। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सीडीपीओ, कार्यपालक दंडाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

डीएसओ एवं एमओ ने की विभिन्न जनवितरण प्रणाली दुकानों की जांच



दुमका/झारखंड देखो। उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति पदाधिकारी बका राम ने शुकवार को जामा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जनवितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण किया। जिसमें एकटंगी पंचायत के दोन्धिया गांव में बालकिशोर मुर्मू के दुकान, उसी पंचायत के खवाजा गरीब राजा एसजी दुकान, पहरीडीह में सेवा एसएसजी, एसएसजी पहरीडीह दुकान, सहित दर्जनों दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पीडीएस दुकान के आनलाईन स्टॉक एवं वास्तविक स्टॉक, कांटा की स्थिति, डी पोस मशीन, पोशन कार्डधारी को मिलने वाले राशन की मात्रा एवं समय पर राशन की मात्रा, गुणवत्ता की जांच कर सही मात्रा एवं निर्धारित समय पर राशन देने का निर्देश दिया उन्होंने राशन डीलर को पीडीएस सिस्टम में ईं पॉश मशीन से निकलने वाले पच्ची, लाभुक दो फरवरी, और मार्च का माह का राशन वितरण देखा। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने बारा के अशोक जोशी की दुकान, लेम्पस कार्यालय स्थित जन वितरण दुकान, मंथि संथाली, फूलों पानी, हेट मंजियानडीह आदि जन वितरण प्रणाली दुकानों की जांच की। वहीं दोनो ने बताया कि जांच में स्टॉक पंजी का मिलान, ई पोस मशीन से निकलने वाले पच्ची, कांटा की स्थिति आदि की जांच की गई। बता दें कि उपायुक्त दुमका के निर्देशानुसार टीम बनाकर जनवितरण प्रणाली के तीस दुकानों की जांच करनी है जिसमें प्रथम दिन एक दर्जन दुकानों की जांच की गई।

राजभवन घेराव कार्यक्रम में दुमका के सैकड़ों कार्यकर्ता होंगे शामिल



दुमका/झारखंड देखो। आज निवेशकों के पैसे डूबने के करीब है इसी को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के आ'न पर राजभवन घेरने दुमका जिले से सैकड़ों की संख्या में दुमका से कांग्रेस कार्यकर्ता 12 मार्च को रांची कुच करेंगे। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रो मनोज अम्बस्ट, युगल किशोर सिंह, संजीत सिंह, अरविन्द यादव, प्रेम कुमार साह, कृष्ण नंद झा, सत्य नारायण यादव, सहरोज सेख, अली इमाम टिंकू, रोमी इमाम, महबुब आलम, अशोक यादव, कुंदन यादव, पुस्तुल मुर्मू, खिबि शामिल हो इसके लिए सभी प्रखंडों से सैकड़ों की संख्या में रांची जायेंगे आज की दुमका के पूर्व अध्यक्ष श्यामल किशोर सिंह ने कहा कि अडानी समूह को केंद्र सरकार द्वारा आम जनों के निवेश को पैसों को गलत तरीके से देने के कारण

हरिनाम संकीर्तन के दूसरे दिन उमड़ी भक्तों की अपार भीड़



दुमका/झारखंड देखो। कुमिरदहा गांव के गौरांग मंदिर में आयोजित 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन के दूसरे दिन 10 मार्च शुकवार को भद्रेश्वर मंडल एवं माणिक घोष सम्प्रदाय के कीर्तन गायकों के द्वारा अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। कीर्तन सुनने यहां मंदिर परिसर में भक्तों का भीड़ उमड़ी है। देर शाम यहां बीरभूम जिला के पंडितपुर के प्रख्यात कीर्तनिया झुमा दास बेराग्य पाला कीर्तन प्रस्तुत करेगी। गुरुवार के देर शाम कोलकाता के कीर्तन गायक निरंजन हालदार ने पाला कीर्तन किया है। प्रत्येक वर्ष यहां दोल पूर्णिमा के अवसर पर पिछले एक सौ वर्ष से 24 प्रहर अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया जाता है। मनसा मंदिर परिसर में पिछले साल यहां गौरांग मंदिर का पक्का भवन का निर्माण कराया गया है। प्रत्येक दिन शाम में यहां सत्संग आयोजित होता है। लक्ष्मीकान्त दास ने भक्तों के बीच प्रसाद का बितरण किया है।

नैतिकता के बिना धर्म कर्म अधूरा है: स्वामी चतुरानंद संतमत का दो दिवसीय 34 वां वार्षिक अधिवेशन शुरु

दुमका/झारखंड देखो।

रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय के समीप संतमत सत्संग का दो दिवसीय 34 वां वार्षिक अधिवेशन का शुकवार को शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय सत्संग के पहले दिन महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज के पावन हृदय स्वरूप व पूज्यपाद महर्षि शाही स्वामीजी महाराज के विशेष कृपा पात्र आचार्य श्री चतुरानंद जी महाराज के अतिरिक्त माधवानंद जी, धैर्यानंद जी, दयानंद जी महाराज सहित अन्य साधु संतों ने प्रवचन से श्रद्धालुओं का नैतिक और धार्मिक ज्ञानवर्धन किया। श्रद्धालुओं की भीड़ को संबोधित करते हुए चतुरानंद जी महाराज ने अपने अमृतवाणी में कहा कि मनुष्य को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है। आप कितने



सो चतुराई से अपने पाप को छिपाने की कोशिश करें लेकिन परमात्मा की नजर से नहीं बचे सके। नैतिकता के बिना धर्म कर्म अधूरा है। झूठ न बोलें, चोरी न करें उन्होंने कहा कि गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग

गुरु ही प्रशस्त करते हैं। चतुरानंद जी महाराज के अतिरिक्त प्रवचन करने वालों में माधवानंद जी महाराज सहित अन्य साधु संत शामिल हैं। कार्यक्रम के पूर्व साधु संतों का माल्यापण कर स्वागत किया गया। विधायक सीता सोरेन के आप

सचिव रakesh चौधरी सहित कई गणमान्य लोगों ने चतुरानंद बाबा को माल्यापण कर आशीर्वाद लिया तथा सत्संग का लाभ उठाया। प्रथम दिन शुकवार के सुबह छह बजे के सत्र में स्तुति, विनती, सद्यंथ पाठ व दो बजे से प्रवचन सत्र देर संध्या तक किया गया। शनिवार को दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का समापन समारोह में अत्यधिक भीड़ जुटने की संभावना है। सत्संग में रामगढ़ के अलावा गोड्डा दुमका पोड़ैयाहाट सहित विभिन्न प्रखंडों के श्रद्धालु उपस्थित हुए। सत्संग स्थल को भव्य तरीके से सजाया गया है। रोशनी, पेयजल, मेडिकल कैंप, भंडारा का भी समुचित व्यवस्था कमेटी की ओर से की गई है। कार्यक्रम का संचालन समस्त रामगढ़ के संसंग प्रेमी व समाजसेवियों के द्वारा किया जा रहा।

THE KIDS SQUARE
"VATSALYA"

PLAY SCHOOL | DAY CARE | ACTIVITY CENTER

- Ages 2+ Year
- Organized Activities And Trips
- Safe And Secure
- Annual Prize System
- Fully Qualified Caring Staff
- Digital Class Room
- Guardian Meetup
- Care About Student

एक नये तरीके का स्कूल, नये तरीके की शिक्षा

ADMISSION OPEN

Add : Mehariya Building, Near Agrasen Bhawan and Micro Link Education, Dumka (Jharkhand)
Cont.- 7903069195, 06434-350957

संक्षिप्त समाचार

जूट ट्रेनरों को दिया गया प्रशिक्षण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के द्वारा जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के आई केयर परियोजना के अंतर्गत पाकुड़ सदर प्रखंड में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। विगत 20 फरवरी को राष्ट्रीय जूट महोत्सव के अवसर पर चास हाट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के तहत समझौता किया गया था। इस योजना के तहत किसानों को प्रशिक्षण, अनुदान आधारित बीज, मशीन एवं उपकरण तथा उत्पादों को खरीदने हेतु कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसी के तहत आज शुक्रवार को पुराना समाहरणालय भवन स्थित चास हाट के प्रशिक्षण भवन में पाकुड़ सदर प्रखंड के 40 गांव से एक-एक मास्टर ट्रेनर का चयन कर दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा, जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के प्रशिक्षक सह प्रखंड सुपरवाइजर इसरार अहमद एवं चास हाट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के अध्यक्ष अनसिलमा टुडू के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। मौके पर उपस्थित जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा के द्वारा मास्टर ट्रेनर के कार्य एवं जिम्मेवारी, प्रशिक्षण स्वरूप तथा आगे की कार्य योजना पर विस्तारपूर्वक अहम जानकारी सभी मास्टर ट्रेनर को दिया गया। प्रशिक्षक इसरार अहमद के द्वारा आई केयर परियोजना के प्रमाणित बीज, पक्किवक्त तरीके से बीज की रोपाई, जूट फसल में लगने वाली रोगों की निराकरण की उपाय आदि बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक फैज आलम, जेएसएलपीएस के कर्मी एवं दर्जनों किसान उपस्थित थे।

लंबित नीलाम पत्र वाद में अधियाचित राशि में वसूली लक्ष्य के अनुरूप कर्म

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देशानुसार पाकुड़ जिला अंतर्गत विभिन्न नीलाम पदाधिकारी के न्यायालय में लंबित नीलाम पत्र वाद में अधियाचित राशि में वसूली लक्ष्य के अनुरूप कर्म है। दायर नीलाम पत्र वादों में देनदारों एवं अधियाची विभाग (सभी संबंधित बैंक/विभाग) के साथ आपसी समझौता के अधीन पर राशि जमा करने हेतु जिला स्तर पर दिनांक- 21.03.2023 पूर्वाह्न-10:00 बजे से अपराह्न-02:00 बजे तक जिला मुख्यालय स्थित रविन्द्र भवन, पाकुड़ में मेगा शिविर का आयोजन की तिथि निर्धारित की जाती है। उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा पाकुड़ जिला के सभी नीलाम पत्र पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि अपने-अपने न्यायालय में लंबित नीलाम पत्र वादों में कम-से-कम 25 बड़े बकायेदारों को नोटिस निर्गत* करते हुए मेगा शिविर की निर्धारित तिथि में राशि जमा कराने हेतु उपस्थित करायेंगे। सभी संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला-पाकुड़ को निर्देश दिया जाता है कि मेगा शिविर की तिथि को नीलाम पत्र वाद से संबंधित पंजी-कएवं अन्य दस्तावेज तथा राशि प्राप्ति संबंधी रसीद के साथ उपस्थित रहेंगे।

उत्पाद विभाग ने लिटपाड़ा में 145 अंग्रेजी शराब को किया जप्त

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। थाना क्षेत्र के कुंभारभांजा गांव के समीप जंगल से शुरुवार देर रात उत्पाद विभाग ने 145 बंदी अंग्रेजी शराब को लावारिस अवस्था में जप्त किया है। जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि लिट्टीपाड़ा के कुंभारभांजा गांव के समीप जंगली झाड़ियों के बीच एक बड़े गड्ढे में बड़े पैमाने पर अवैध शराब की पेटियां रखा गया है। सूचना मिलते ही विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उत्पाद विभाग की टीम एवं लिट्टीपाड़ा थाने के टीम के साथ मौके पर पहुंच कर खड़े गए शराब की पेटियों को जप्त किया। जप्त शराब में पार्टी स्पेशल विस्की फोरे सेल इन अरूणाचल प्रदेश की कुल 145 पेटियों जिसमें 750एमएल के 25 पेटियों, 375 एमएल के 50 पेटियों एवं 180 एमएल के 70 पेटियों अंग्रेजी शराब सामिल है। उत्पाद निरीक्षक सौरभ तिवारी ने बताया गुप्त सूचना मिली थी कि कुंभारभांजा गांव के समीप जंगल के गड्ढे में अवैध शराब डंप कर रखा गया है, जिसपर करवाई करते हुए बड़े पैमाने पर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है, उन्होंने बताया विभाग द्वारा जांच किया जा रहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब को जंगल में डंप करने का क्या मकसद है, ये कहा खगया जाने वाला था और इसमें कहा कि व्यक्ति सल्लिप है जांच किया जा रही है।

तीन दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। आगामी 14 मार्च से तीन दिवसीय नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन प्रखंड मुख्यालय स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को यज्ञ पूजन पर भूमि पूजन एवं ध्वजारोहण समारोह पुरोहित सत्यदेव सिंह के द्वारा संपन्न किया गया। गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा हवन कार्यक्रम में मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी गईं। गायत्री परिवार के सदस्य रामकेवल मंडल ने बताया 14 मार्च को 251 कन्याओं के द्वारा कलश यात्रा निकाला जाएगा। 15 एवं 16 मार्च को यज्ञ पूजन एवं महा प्रसाद का विरण किया जाएगा। मौके पर सतिपल किस्क, गानेश झा शांतोनु भारती सहित अन्य उपस्थित थे।

आयोजन को मजबूत बनाने के लिये सारी तैयारियां पूर्ण

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। अखिल विश्व गायत्री शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री परिवार पाकुड़िया की ओर से नौ कुंडीय यज्ञपूजन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन 17 से 19 मार्च तक उषा देवी सरस्वती शिशु मंदिर पाकुड़िया में आयोजित होगी। कार्यक्रम के लिए भूमि पूजनोत्सव 12 मार्च दिन- रविवार को प्रातः 8 बजे निर्धारित किया गया है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि आयोजन को मजबूत बनाने के लिये सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। दूरदराज से भी परिवार एवं शाखा के बहुत-से भक्त इस पूजन को सफल बनाने के लिए आ रहे हैं। गायत्री परिवार पाकुड़िया के आयोजकों ने आम जन से अनुरोध किया है कि समय से पहले सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर आकर पूजन कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें।

आधार एवं वोटर कार्ड संलग्न करने का निर्देश

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के छुटे हुए लाभुकों को अपना आवेदन अखिल बाल विकास परियोजना कार्यालय में जमा करने का निर्देश आईसीडीएस पर्यवेक्षिका अगाथा हंसदा ने दिया है। बाल विकास परियोजना कार्यालय में इस बाबत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि लाभुक छात्राएं आवेदन के साथ बच्ची का आधार एवं बैंक खाता तथा उसकी मां का आधार एवं वोटर कार्ड संलग्न करने का निर्देश दिया है। इसके लिये कोई उम्र सीमा नहीं है लेकिन बच्ची को स्कूल में वर्ग अष्टम से बारहवीं तक नामांकित होना चाहिए। वहीं जिसकी उम्र 18 से 19 वर्ष के बीच है उसकी भी सावित्री बाई फुले योजना का लाभ मिलेगा। इसमें छात्रा को सरकारी से 20 हजार रुपये की सहायता दी जायेगी। इसमें वोटर कार्ड एवं उम्र प्रमाणपत्र जमा करने की जरूरत है। साथ ही बच्ची का आधार, वोटर कार्ड एवं बैंक खाता सहित उसकी मां का वोटर कार्ड एवं आधार कार्ड भी जमा कराना जरूरी है।

उपायुक्त ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न जनवितरण प्रणाली दुकानों का किया निरीक्षण

जिला के वरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा भी विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का किया गया निरीक्षण

जिला में कुल 60 जन वितरण प्रणाली दुकानों का 15 टीमों के द्वारा किया गया निरीक्षण

(झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के सभी योग्य लाभुकों को ससमय खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन प्रयासरत है। जनवितरण प्रणाली व्यवस्था को और दुरुस्त करने, लाभुकों को सही समय पर खाद्यान्न मिल रहा है या नहीं तथा उनकी अन्य समस्याओं से अवगत होने के उद्देश्य से उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में 4/2003 अलीमुद्दीन अंसारी, तालझारी, 10/1992 हरिहर ठाकुर, माहुलबोना पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर जरूरी दिशा दिए



गए। निरीक्षण के क्रम में सभी को लगाने, सूचना पट्ट में फोटोफाइड जनशिकायत पंजी रखने, मुफ्त दुकान का बाहर लाभुकों की सूची चावल को लेकर जागरूकता, राशन वितरण की जानकारी

तक का खाद्यान्न वितरण एक सप्ताह तक हर हाल में सुनिश्चित करने, मौके पर लाभुकों से भी उपायुक्त ने फीडबैक लिया कि उन्हें ससमय और उचित मात्रा में खाद्यान्न मिल रहा या नहीं। मापतौल मशीन का इंशॉप मशीन से कनेक्शन ताकि सही मात्रा में ही अनाज मिले। उपायुक्त ने बताया कि आज जिले में कुल 60 जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसके लिए 15 टीम का गठन किया गया था। सभी टीमों द्वारा विभिन्न जन वितरण प्रणाली दुकानों का निरीक्षण किया गया। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, लिट्टीपाड़ा एमओ समेत अन्य उपस्थित थे।

मंत्री ने कहा बच्चियों को तामील देने के लिए दूरदराज के मदरसा चलाना काबिले तारीफ है

(झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने जीतपुर मदरसा परिसर में शुक्रवार को बच्चियों के लिए एक छात्रावास व मस्जिद का उद्घाटन किया और जलसे में उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित किया। मंत्री ने कहा बच्चियों को तामील देने के लिए दूर दराज में मदरसा चलाना काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा बच्चियों को ससमय तामील देना जरूरी है, यहाँ के मदरसा के द्वारा बच्चियों के तामील के लिए जो प्रयास किया जा रहा है, वह बहुत ही सराहनीय कदम है। जिसका सहयोग जितना हो सकेगा मैं जरूर करूँगा गांव देहात की



बच्चियां भी अच्छी शिक्षा पा कर उच्च शिक्षा हासिल कर उच्च स्थान पर पहुँचे और अपने समाज के साथ देश का नाम रोशन करें। मंत्री ने क्षेत्र के लोगों से लड़कों के साथ लड़कियों को भी पढ़ाने का अपील किया। मरकज दावा सल्लिफया जीतपुर के डायरेक्टर

द्वारा किया गया। जिसका उद्घाटन मंत्री आलमगीर आलम के द्वारा भवन का मुआयना कर किया गया। मौके पर पश्चिम बंगाल के चैयरेमन मौलाना मोहम्मदरमान मदन, डॉ मिसबाह किसमगंज, समद अली, अजीजुल इस्लाम, इसहाक अंसारी समेत सैकड़ों मौलवी उपस्थित थे।

आमने - सामने बाइक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल

(झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)।

मेहरमा। स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक की भैया शाखा के समीप शुक्रवार शाम आमने-सामने दो बाइक की टक्कर हो गई। जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से पीड़ित को भैया के एक निजी क्लीनिक में उपचार के लिए पहुंचाया गया। वहाँ से बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर घटना की सूचना पर मेहरमा थाना के एएसआई अनिल यादव दल बल के साथ



पहुँचे और दोनों दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गए हैं। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक की पहचान मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र के तालेडीह

मातिकपुर गांव अपना ससुराल आया हुआ था। दोनों घायल युवक के बारे में ग्रामीणों ने बताया कि दोनों को गंभीर चोट आई है। दोनों में कोई युवक हेलमेट नहीं पहना हुआ था।

पाकुड़ के पूर्व डीसी द्वारा लिखित पुस्तक का राज्यपाल ने किया लोकार्पण

(झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पाकुड़ के पूर्व उपायुक्त रहे डॉ सुनील कुमार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक हिस्ट्री ऑफ संथाल परगना का शुक्रवार को झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजभवन में लोकार्पण किया। इस मौके पर डॉ सुनील सिंह के साथ क्रॉउन पब्लिकेशन के राजेंद्र कुमार आर और सुभाष शर्मा मौजूद रहे। पुस्तक में संथाल परगना का इतिहास शोधकर्ताओं और लेखकों के दिमाग से दूर रहा है। वर्तमान में जो ग्रंथ उपलब्ध है उस क्षेत्र के आंशिक अवधि पर लिखे थे। एक संपूर्ण इतिहास हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध नहीं है, लेकिन अंग्रेजों द्वा-



रा लिखित गजेटियर में संक्षिप्त उपलब्ध है। लेखक डॉ सुनील सिंह ने बताया कि इस पुस्तक में संथाल परगना की स्वायत्तता आंदोलन को छोड़कर प्राचीन

और ब्रिटिश कालीन इतिहास का वर्णन है। इसके अलावा संथाल विद्रोह 1855 और 1857 के विद्रोह पर समर्पित है, उन्होंने बताया कि दामिने ई को अ शासन व्यवस्था के उद्भव और विकास पर अलग-अलग चर्चा की गई है। इस पुस्तक का प्राक्कथन स्वर्गीय अमिताभ चौधरी द्वारा लिखित है। डॉक्टर सुनील ने बताया कि उनके द्वारा राजस्व के अन्य विषयों पर कई पुस्तकें लिखी गई हैं। इस पुस्तक के लोकार्पण पर डॉक्टर सुनील सिंह को पाकुड़ की लोगों ने उन्हें बधाई दी है। पाकुड़ के प्रबुद्ध लोग राजीव पांडे, रतन सिंह, अखिलेश चौबे, प्रवीण सिंह कई अखबार नबीसों ने भी उन्हें बधाई दी है।

डीसी ने कई राशन दुकानों का किया औचक निरीक्षण

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरुण रंजन ने शुक्रवार को प्रखंड के दो पंचायत के राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर राशन डीलरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने तालझारी पंचायत के करिओडीह गांव के राशन दुकानदार अलीमुद्दीन अंसारी का दुकान का निरीक्षण किया। जहाँ उन्होंने राशन दुकानदार का स्टॉक पंजी, वितरण पंजी, शिकायत पंजी व निरीक्षण पंजी का अवलोकन किया और गोदाम में रखे अनाज का स्टॉक व वितरण पंजी से मिला न किया। तत्पश्चात उपायुक्त पोषक क्षेत्र के राशन लाभुको से मिले और अनाज प्रति माह अनाज वितरण का प्रति नही जानकारी लिया। लाभुको ने उपायुक्त को बताया कि प्रति माह उचित मात्रा में अनाज मिलता है। उसके पश्चात उपायुक्त बाढ़ पंचायत के मोहलबोना गांव में हरिहर ठाकुर व अरुण ठाकुर का राशन दुकान का जांच किया। उन्होंने सभी पंजी का जांच किया और स्टॉक में बचे अनाज का वितरण पंजी से मिला न किया, जो सही जाना। उन्होंने डीलर हरिहर ठाकुर से अनाज वितरण की प्रक्रिया की जानकारी लिया। हरिहर ठाकुर ने उपायुक्त को बताया कि कष्ट ऐसे लाभुको है जो अन्य प्रदेश मजदूरी करने चले गए है जिसकी वजह से प्रति माह अनाज नही उठाव करता है। जिसके कारण वितरण का प्रतिशत कम हो जाता है। तत्पश्चात उपायुक्त दोनो ही डीलर के पोषक क्षेत्र तिरकोणी गांव में लाभुको से मिलने पहुँचे। उपायुक्त ने एक एक कार्डधारी से अनाज वितरण से सम्बंधित पूछताछ किया। कार्डधारी सुशील मड़ैया व भागिमई टुडू से उपायुक्त ने कहा आप दोनो प्रति माह अनाज क्यों नही उठाव करते है। दोनो ही कार्डधारी ने बताया कि गाँव में कोई रोजगार नही मिलता है और इस वर्ष धान खेती नही हुआ है। इसलिए हमलोग बाहर मजदूरी करने गए थे। एक थोक में मोटी रकम मिलता है, उपायुक्त ने पूछा बाहर जाकर कितना रुपया कमाएंगे, उससे अच्छा व ज्यादा कम समय में अपने गाँव में रुपया कमा लेंगे। इसलिये अब आप सभी ग्रामीण बाहर अन्य प्रदेशों में रोजगार करने नही जाएं। मनरेगा के तहत अनाज पंचायत में ही कार्य करें आप सभी मजदूरों को रोजगार दिया जाएगा। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय दास, कार्यपालक द्वाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी व एमओ पद्म किशोर महतो उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण से ही समाज का विकास

गोड्डा। (झारखण्ड देखो, प्रतिनिधि)। नालसा एवं झालसा के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को मंडल कारा महिला वार्ड में एवं ग्राम रचना संस्थान के प्रशिक्षण हॉल में महिला सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कानूनी सहित विविध जानकारी दी गई। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डा प्रदीप कुमार ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाये गये हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर अंतरराष्ट्रीय महिला सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर आयोजित कर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं ही समाज का नवनिर्माण कर सकती हैं और समाज में व्याप्त कुरीतियों को भी मिटा सकती हैं। जरूरत है इमानदार पहल की बाल विवाह आधुनिक समाज के लिए अभिशाप है। प्रदेश में सबसे अधिक बाल विवाह इसी जिले में दर्ज हो रही है। इस कर्त्तव्य को मिटाने के लिए महिलाओं को संकल्प लेने की जरूरत है। मौके पर लीगल डिफेंस काउंसिल के अजीत कुमार व लीली कुमार ने धरलू हिंसा अधिनियम, दहेज प्रताड़ना, पोक्सो, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, मातृत्व हित लाभ, स्त्री की लज्जा भंग करने, दुष्कर्म व लैंगिंग हिंसा, भ्रमण- पोषण से जुड़े कानून आदि की जानकारी दी। संथाल परगना ग्राम रचना संस्थान की निदेशक बबिता सिंह ने कहा कि महिलाओं को हिम्मत से काम लेने की जरूरत है। आज सभी क्षेत्रों में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। इसके लिए सकारात्मक सोच व इमानदार पहल की जरूरत है। इधर मंडल कारा में भी महिला सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान जेलर सोनु कुमार, एलडीसी के अजीत कुमार, पीएलवी नवीन कुमार, इतरेखाब आलम, बासुदेव मणि, नंदन कुमार आदि ने कहा कि प्रत्येक वर्ष आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की परंपरा है। महिलाओं को समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की जरूरत है। कहा कि महिला, पुरुष सभी को बराबर संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। न्यायालय की ओर से सजा मिलने के बाद ही वह सजायता कहलता है। बर्दियों को भी सभी संवैधानिक अधिकार प्रदत्त है।



संक्षिप्त समाचार

होली के दिन ककनिया गांव में अश्लील गाना बजाने को लेकर हुए विवाद में 4 लोग घायल, मामला पहुंचा थाना

दुमका/झारखंड देखो। सरैयाहाट थाना क्षेत्र के ककनिया गांव में होली के दिन डीजे साउंड पर अश्लील गाना बजाने पर दो पक्षों में खूनी झड़प होने की घटना सामने आयी है। जानकारी के अनुसार घटना में 2 महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। शुक्रवार को मामला सरैयाहाट थाना पहुंचा। मिली जानकारी के अनुसार ककनिया गांव में होली के दिन बुधवार को डीजे में अश्लील गाना बजाने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया था जिसमें 2 महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। घायलों में श्यामा वती देवी सहदेव कापरी संगीता देवी एवं कुमोद बागवत शामिल हैं। घटना के बाद घायलों को परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने देवघर रेफर कर दिया। घटना को लेकर घायलों ने बताया कि डीजे साउंड में अश्लील गाना बजाने को लेकर गांव के ही प्रमोद कुमार पंजियारा बिहारी लाल पंजियारा अरुण कुमार पंजियारा सहित अन्य ने लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से मारपीट की घटना को अंजाम दिया। जिसमें एक ही परिवार के 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

मामले को लेकर सरैयाहाट थाना प्रभारी विनय कुमार ने जानकारी देते हुए शुक्रवार को बताया कि घटना बुधवार की है। आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। मामले की जांच की जाएगी।

विद्युत प्रणाली को मजबूत करने के लिए सब स्टेशन की स्थापना एवं वर्तमान सबस्टेशन को अपग्रेड करने हेतु

साहिबगंज। जिले के समाहणालय सभागार में उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार की अध्यक्षता में कार्यपालक अभि यंता विद्युत विभाग द्वारा हर गांव एवं घर को विद्युतीकरण करने एवं विद्युत प्रणाली को मजबूत करने के लिए सब स्टेशन की स्थापना एवं वर्तमान सबस्टेशन को अपग्रेड आदि से संबंधित योजना की जानकारी दी गई। इस्त्रिन में इस क्रम में कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग राजकुमार ने बताया कि निमित्त गत 5 वर्षों में भारत सरकार द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, समेकित ऊर्जा विकास योजना, प्रधानमंत्री हर घर बिजली सौभाग्य योजना ग्रामीण विद्युतीकरण योजना जैसी लगभग 200000 करोड़ की योजनाएं क्रियान्वित की गई है। वितरण व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने उभरती चुनौती से निपटने तथा अनुभूतिकीकरण हेतु विद्युत मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 300000 करोड़ की नई योजना Revamped Distribution sector scheme को सूचित किया गया है।

बैठक के दौरान बताया गया कि इस योजना में जन भागीदारी एवं जन निगरानी सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक जिला के लिए जिला विद्युत समिति का गठन किया गया है। जहां बताया गया कि जिले के वरियतम सांसद समिति के अध्यक्ष जिले के अन्य सांसद सह अध्यक्ष, उपायुक्त सदस्य सचिव जिला पंचायत अध्यक्ष सभापति सदस्य, जिले के विधायक गण सदस्य, संबंधित जिला में विद्युत मंत्रालय तथा नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रीय उपकरण के प्रतिनिधि उनके द्वारा नामित जिलाधिकारी इसके सदस्य एवं संबंधित जिला के मुख्य अभियंता अधीक्षण अभियंता इसके संयोजक होंगे। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्को, राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत ओझा सिविल सर्जन डॉ० रामदेव पासवान, कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग, विभिन्न प्रखंडों से आए जनप्रतिनिधि एवं अन्य उपस्थित थे।

झारखंड राज्य पासी विकास कल्याण समिति देवघर इकाई के तत्वाधान में माता सावित्रीबाई फुले की परिनिर्वाण दिवस मनाया गया

देवघर। झारखंड राज्य पासी विकास कल्याण समिति देवघर इकाई के तत्वाधान में माता सावित्रीबाई फुले की परिनिर्वाण दिवस मनाया गया एवं माता सावित्रीबाई पुणे द्वारा किए गए कार्यों का वितरण एवं चर्चा की गई। आज ही के दिन 10 मार्च 1897 को सामाजिक कार्य करते हुए प्लेग बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई। नारी शिक्षा एवं नाबालिग वर्ग के लिए शिक्षा के क्षेत्र में देश के लिए अहम योगदान उनका रहा जो पूरा देश उनके प्रति किए गए कार्यों को हमेशा याद रखेगा एवं कोटि-कोटि नमन है। इस एक पर संरक्षक सचिंद्र महथा, देवघर जिला अध्यक्ष सुशील महथा, उपाध्यक्ष, गोपाल महथा, दिवाकर महथा, सचिव सुनील महथा, संयुक्त सचिव लक्ष्मीकांत महथा एवं गौतम महथा कोषाध्यक्ष सुभाष महथा मीडिया प्रभार युवक महथा समाजसेवी पवन महथा, गोरचंद्र महथा, कुंदन कुमार अमरदीप महथा विवेक कुमार अजय कांत महथा प्रमोद कुमार महथा कुणाल कुमार लक्ष्मण महथा रोहित संजय चौरसिया महथा सुपर महथा फुलेश्वरी देवी आदि शामिल हुए।

उपायुक्त ने जन वितरण प्रणाली की दुकानों का किया औचक निरीक्षण, लाभुकों से भी की बात

सभी प्रखंडों में अभियान चलाकर जन वितरण प्रणाली की दुकानों का किया गया निरीक्षण

- प्रखंड के वरीय पदाधिकारी के नेतृत्व में किया गया जांच
- एक दिन में लगभग 249 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का किया गया निरीक्षण

दुमका/झारखंड देखो।

उपायुक्त ने जामा प्रखंड के माँ सरस्वती स्वयं सहायता समूह चिकनिया, स्वयं सहायता समूह लखनपुर, सिंदो कान्हू स्वयं सहायता समूह खिलकिनारी, माडेरे जोरे स्वयं सहायता समूह बिचकोड़ा के जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों से खानदान के भंडारण एवं लाभुकों के बीच वितरण से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भंडार गृह का भी निरीक्षण किया। प्लाटान वितरण से संबंधित रजिस्टर की भी उन्होंने जांच की। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिया कि सभी लाभुकों को समय समय राशन मिले इसे सुनिश्चित करें। किसी भी परिस्थिति में



लाभुकों को कम राशन नहीं दी जाय। प्रत्येक माह राशन का वितरण किया जाय। जन वितरण प्रणाली के दुकानदार लाभुकों से संवाद स्थापित करें एवं पूरे पारदर्शी तरीके से लाभुकों के बीच राशन का वितरण करें। उन्होंने कहा कि दुकान खुले रहने की अवधि निर्धारित है। निर्धारित अवधि में दुकान हर हाल में खुला रहे, इसे सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से भी बात की। ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया। इसी क्रम में उपायुक्त के निर्देश पर जिले के लगभग 249 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का

औचक निरीक्षण किया गया। प्रखंड के वरीय पदाधिकारियों के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अपने अपने प्रखंड के जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण किया गया। दुमका प्रखंड के 24 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण उप विकास आयुक्त, अंचल अधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद के द्वारा किया गया। रामगढ़ प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण अपर समाहर्ता, अंचल अधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत द्वारा किया गया। काठिकुंड प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण अपर समाहर्ता, अंचल अधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा किया गया। शिकारीपाड़ा प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का

निरीक्षण सहायक दंडाधिकारी सह सहायक समाहर्ता, परियोजना निदेशक आत्मा एवं कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई प्रमण्डल दुमका द्वारा किया गया। जरमुंडी प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी दुमका, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत द्वारा किया गया। काठिकुंड प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण 2 कार्यपालक दंडाधिकारी एवं अंचल अधिकारी द्वारा किया गया। शिकारीपाड़ा प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का



निरीक्षण उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा किया गया। रांनेश्वर प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण जिला परिवहन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता सिंचाई प्रमण्डल द्वारा किया गया। मसलिया प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं सचिव कृषि उत्पादन समिति द्वा-

रा किया गया। गोपीकांदर प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण जिला पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद एवं कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल दुमका द्वारा किया गया। जामा प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण जिला कार्यपालक अभियंता सिंचाई प्रमण्डल द्वारा किया गया। मसलिया प्रखंड के 25 जन वितरण प्रणाली की दुकानों का निरीक्षण जिला गव्य विकास पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल दुमका द्वारा किया गया। जिला गव्य विकास पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल दुमका द्वारा किया गया। जिला पशुपालन पदाधिकारी एवं सचिव कृषि उत्पादन समिति द्वा-

प्रत्येक बूथ पर पार्टी के सांगठनिक स्वरूप को मजबूत करने हेतु दिए गए दिशा निर्देश

दुमका/झारखंड देखो।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में दुमका जिला के सभी बूथों पर बूथ सशक्तिकरण कार्यक्रम के निमित्त विधानसभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन शिकारीपाड़ा विधानसभा के अलीगंज मैदान में किया गया।

कार्यशाला का मंच संचालन आसनबनी मंडल के मंडल अध्यक्ष नितार्थि भंडारी ने किया। शिकारीपाड़ा विधानसभा के अंतर्गत सभी पांच सांगठनिक मंडलों के मंडल अध्यक्ष उनकी कार्यसमिति, बूथ सशक्तिकरण कार्य हेतु मंडलों की टोली, सभी शक्ति केंद्र के संयोजक, सहसंयोजक, शक्ति केंद्र के प्रभारी, सभी 51 शक्ति केंद्रों के 2-2 अल्पकालीन विस्तारक एवं बूथ अध्यक्षों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रत्येक बूथ पर पार्टी के सांगठनिक स्वरूप को मजबूत करने हेतु दिए गए दिशा निर्देश के अनुरूप सभी शक्ति केंद्रों के विस्तारक को फॉर्मेट उपलब्ध कराते हुए अगले 10 दिनों तक अपने-अपने शक्ति केंद्र में प्रकाश कर बूथ कमेटी को सशक्त करने के कार्य योजना पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण



एवं जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में दुमका लोकसभा के सांसद सुनील सोरेन ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए 1-1 बूथ पर जाकर कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं से संपर्क कर कमेटी बनाने तथा केंद्र सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे लाभार्थियों के साथ संपर्क स्थापित कर, उन्हें सरकार से मिल रही लाभ के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही। कार्यशाला में उपस्थित पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने सभी कार्यकर्ताओं को पिछले भाजपा सरकार एवं वर्तमान केंद्र की सरकार के द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी लोगों को बताने पर जोर दिया। कार्यशाला को

संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभय कांत प्रसाद ने प्रत्येक कार्यकर्ताओं एवं बूथ सशक्तिकरण के हेतु चयनित विस्तारकों से लक्ष्य प्राप्ति हेतु अपने ध्यान केंद्रित कर पार्टी के लिए गए निर्देशों को पूरा करते हुए इस कार्य को संपन्न करने का उत्तरदायित्व ईमानदारी से निभाने पर जोर दिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन ने सभी 51 शक्ति केंद्रों/पंचायत से आए बूथ संयोजक/सहसंयोजक उनके प्रभारी और सभी दायित्ववान विस्तार को विस्तृत रूप से पार्टी के निर्देशानुसार दिए गए फॉर्मेट के आधार पर प्रत्येक बूथ पर सभी सामाजिक लोगों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ

बैठकर सरकार की उपलब्धियों की चर्चा और कमेटी बनाने की बात कही। कार्यशाला में विशेष प्रवेश के साथ पार्टी के जिला महामंत्री विवेकानंद राय ने संगठन के लिए गए निर्देशों के अनुरूप सभी ऊर्जावान दायित्ववान नेताओं, कार्यकर्ताओं से सभी बूथों पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के बीच बूथ स्तरीय कमेटी एवं पन्ना प्रमुख एवं पन्ना प्रमुख की समिति को एक साथ बनाकर प्रत्येक माह आदर्शपूर्ण प्रधानमंत्री के मन के बाद कार्यक्रम को सुनने एवं महीने में एक बार सभी बूथों में बूथ कमेटी की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने की बात कही। कार्यशाला को जिला के उपाध्यक्ष जवाहर मिश्रा, धर्मेश सिंह, रामनारायण भगत, महामंत्री दीपक स्वर्णकार, ने भी संबोधित किया। मीडिया प्रभारी पिन्टू अग्रवाल ने बताया कि कार्यशाला में जिला कार्यसमिति के सदस्य मार्शल ऋषिराज टूट्टू, संतोष सोरेन, दिलीप मोदी, सुकुमार मंडल दिलीप सिंह, विश्वनाथ सरकार, युवा मोर्चा अध्यक्ष रमेश मंडल, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष फारूक अनवर, अजय मंडल, अविनाश सोरेन, विमान सिंह, कार्तिक घोष, गडू कनानिया मंडल अध्यक्ष नितार्थि भंडारी, रघुनाथ दत्ता, नरेंद्र गुप्ता, शुभाशीष चटर्जी, लालचंद्र पाल, कौशिक अधिकारी आदि लोग उपस्थित थे।

सुमित सुमन ने रेलवे परीक्षा में पाई सफलता

- परिवार में खुशी का माहौल

देवघर। मन में सच्ची लगन हो तो कोई काम मुश्किल नहीं है। इस सच साबित कर दिखाया है सुमित सुमन ने। सारठ प्रखंड के सीमा पर स्थित जावाबांक निवासी जगन्नाथ प्रसाद शाही एवं नंद रानी देवी के पुत्र सुमित सुमन ने सेन्ट्रल रेलवे में जूनियर एकाउंटेंट एग्जिस्टेंट पद पर सफलता हासिल कर अपने परिवार का नाम रोशन किया है। किसान परिवार में जन्मे सुमित शुरू से पढ़ाई में अछल था। प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा सरकारी स्कूलों-कालेज से प्राप्त किया। मिट्टिक परीक्षा उच्च विद्यालय गोपीबांध से 2009 में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण किया। वहीं इंटर एवं स्नातक सतसंग कॉलेज देवघर से पास किया। सुमित सुमन ने बताया कि कॉलेज के दिनों से ही लगातार देवघर में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उन्होंने कहा कि देवघर में रहकर ही तैयारी कर रहा था। माता-पिता एवं हमारे रिश्तेदार लगातार होसला अफजाई करते रहते थे सभी को उम्मीद थी कि मुझे सफलता हासिल होगी।

साक्षात्कार: उच्च शिक्षा में गुणात्मक शिक्षा व शोध जरूरी: डॉ विनोद कुमार

सिंदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विनोद कुमार शर्मा को 'बिजनेशन मल्टी सोल्यूशन' लिमिटेड, पटना द्वारा महिला साइबर सुरक्षा व मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2023' से सम्मानित किया गया। डॉ विनोद कुमार शर्मा से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब तक की उपलब्धियों पर 'झारखण्ड देखो' के संपादक डॉ सिकंदर कुमार से बातचीत के कुछ अंश

- संपादक: उच्च शिक्षा में आपकी नियुक्ति कब हुई और अब तक की अकादमिक उपलब्धियां क्या रही ?
- » डॉ विनोद: मेरी नियुक्ति वर्ष 2008 में संताल परगना कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में हुई। कॉलेज में मेरी अकादमिक के साथ अन्या जर्नली उपलब्धियां रही। वर्ष 2009 में मेरी पहली टेक्स्टबुक 'स्टैटिस्टिक इन साइकोलॉजी' रही। फिर बाद में 2011 में यू जी सी से माइजर रिसर्च प्रोजेक्ट मिला व पूरा किया। फिर 2015 में यू जी व पी जी सिलेबस आधारित पुस्तक 'चिकित्सा मनोविज्ञान', 2016 में आ सी एस एस आर से 'माइजर रिसर्च प्रोजेक्ट'। वर्ष 2018 में इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, न्यू दिल्ली से नेशनल सेमिनार के लिए फंड मिलना व वर्कशॉप कराना आदि शामिल है।

- संपादक: कॉलेज के लिए विशेष योगदान ?
- » डॉ विनोद: छात्र चुनाव, रोजगार मेला, इनर क्लिटी इम्प्रोवमेंट में सहयोग, एन एस एस प्रोग्राम ऑफिसर के रूप में कॉलेज को ख्याति दिलाना, आदि के अतिरिक्त दो महीने के अवधि में नैक कॉर्डिनेटर का दायित्व संभाला व कॉलेज को वर्ष 2017

- में 'बी' ग्रेड मिलना मेरे लिए गर्व का कार्य रहा।
- संपादक: कोई सम्मान या पुरस्कार ?
- » डॉ विनोद: इंडियन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के द्वारा 2018 में 'गोल्ड मेडल' व झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की ओर से 'प्रतिभा सम्मान' मिला।
- संपादक: कॉलेज के विकास के लिए कोई एग्यू ?
- » डॉ विनोद: हा, हाल फिलहाल (जनवरी 2023) में संताल परगना कॉलेज व मेटल हेल्थ मिशन इंडिया, मेरठ, उत्तर प्रदेश से संताल परगना क्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता व अकादमिक ज्ञान व शोध को बढ़ावा देने के वास्ते हुआ है।
- संपादक: आगे की अकादमिक योजना ?
- » डॉ विनोद: सर्टिफिकेट कोर्स व डिप्लोमा कोर्स इन कॉउंसलिंग, मेटल हेल्थ, योग आदि की शुरुआत करना व विद्यार्थियों को जीब ऑरिएण्टेड बनाना। अकादमिक शोध व मानसिक स्वास्थ्य को विश्वविद्यालय स्तर से बढ़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने के लिए सी सी एस यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश से एमप्यू के लिए विश्वविद्यालय को विभागीय स्तर से एक प्रस्ताव भेजा गया है।
- संपादक: उच्च शिक्षा में शैक्षणिक स्तर व शोध गुणवत्ता के संदर्भ में आपका क्या ख्याल है ?
- » डॉ विनोद: कॉलेज व यूनिवर्सिटी में अकादमिक वातावरण,

- अनुशासन, वर्क कमेटीमेंट व रेगुलर अकादमिक मोनेटरिंग होना चाहिए। शोध कार्य में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अकादमिक प्रोग्रेस पर चर्चा स्वभाविक होता है जो अक्सर नहीं होता है। लघु शोध को बढ़ावा देने की जरूरत है। देखा जाता है कि विद्यार्थियों में शोध प्रवृत्ति के दौरान वैज्ञानिक शोध चरणों की कमी रह जाती है। शोधार्थी शोध तो करते हैं मगर बहुधा शोध के प्रमुख बातों से पूरी तरह अवगत नहीं रहते पाए जाते हैं। कांसेप्ट क्लीयर नहीं रहता है। जरूरी है शोध निदेशक के मनोवृत्ति में बदलाव लाने की व शोडा और मेहनत करने की।
- संपादक: झारखंड को उच्च शिक्षा में किस प्रकार आगे ले जाया जा सकता है ?
- » डॉ विनोद: पहली बात जातीय सोच व पूर्वाग्रह से बाहर निकलना होगा। विश्वविद्यालय में कम से कम राजनीतिक हस्तक्षेप हो। गुणवत्ता शिक्षा के आवश्यक शर्तों को समय रहते पूरा करें। शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों व भावनाओं का ख्याल रखा जाय। राज्य में सभी विश्वविद्यालयों के लिए नियम, अनुशासन व कारवाई की बात हो। सारी गतिविधियों को सुचारु रूप से चलने में एक मॉनीटरिंग सेल हो जहाँ किसी तरह की मनमर्जी या जबरदस्ती के व्यवहारों पर रोक लगे।



Death Anniversary of the Great Female Reformer

Introduction: An epitome of modern Indian woman, Savitribai Phule was born on January 3, 1831, in Naigaon (presently in Satara district) of Maharashtra, as the eldest daughter of Khandoji Neveshe Patil and Lakshmi. Her initial life went in accordance with the contemporary societal norms and she was married off at a very tender age of nine in 1840. As per the societal structure, life seems to take a sharp turn, especially for the bride, for she has to learn to abide, and make compromises. However, nobody had the idea that Savitribai's marriage with young Jyotirao, will turn her competent enough to pose a challenge to the same societal norms. In Indian archetype, 'Savitri' translates into 'an ideal wife' who brought back her husband, 'Satyavana's life from lord Yama. In 19th century, Savitribai Phule chose to give a meaning to her name in her own sui-generic way. She was the woman with her individual identity and tuned with the equally strong characteristics of her husband. Despite, working in tandem with Mahatma Jyotirao Phule, she maintained her own agency. She represents as an embodiment of both aspects of life- public and domestic. A complete woman in herself, she fulfilled the role of an ideal wife in the Phule family and at the same time she dared to take a stand for social reformation, particularly in favour of women.

Challenges Before Savitribai

History has been constantly witnessing the rise and fall of empires. In similar pattern, each one's life faces the heydays and ultimately the doomsday. However, the thing that remained constant through the ages was the depredation of women and despoliation of her identity. Savitribai Phule's life was no exception to it. From entering into child marriage at the age of nine, to facing constant abuses for initiating revolutionary changes in society, she has faced it all, with an undaunted stature. Savitribai, was the one who chose to walk tall, in step with her husband, ahead of her time by centuries.

Savitribai developed an urge of reading in an early stage, but going by the contemporary setup, she was blamed of committing sin double-handedly i.e. firstly, it was a sin for lower caste people to even think of getting educated in the times when learning was an upper caste privilege; secondly, it was beyond social acceptance that even a woman

has the right to study. But she was fortunate enough to get the support of her husband Jyotirao Phule, who gave her initial lessons at home, going against the family diktat. She finally took to training at Ms. Farar's institution at Ahmednagar and at Normal school in Pune. On facing continuous opposition from the malign elements, soon the Phule family ostracized the couple.

Thoughts and Ideas of Savitribai

Unmoved by these voices of opponents, Savitribai, in her teens founded the first girl's school at Bhide Wada in Pune (1848). Her first batch had only nine students from the Sudra-Atisudra community which sat at the lowest rung of the caste ladder. By 1852 three girls school were founded by her along with the efforts of her husband and Fatima Sheikh. On 16th November of the same year, she was rewarded by British government as the best teacher, taking into consideration her cumbersome efforts.

She considered knowledge to be of greatest value vis-à-vis any materialistic element because matters do pass away, but the knowledge stays forever. She wrote, "Your prime duty is to gain knowledge. Then comes games and recreation. In the spare time lend a hand with the housework. But first and foremost, go to school." In her opinion woman educated means whole family educated because she nurtured whole family. She cheered up the importance of knowledge and reason in the following way- "...Let knowledge be your God, pursue it all the way. With determination attain success, don't let your mind waver. Knowledge is so precious; it is the greatest gift of all. One with a treasury of knowledge, a wise person people do call."

In a male dominated society where women were treated like mere chattels; deprived of basic human rights, four walls were considered as the foci of their lives, it was at that moment when Savitribai came to their rescue. She challenged the dominance of one sex over the other. She was farsighted enough to realize Education as the key to woman emancipation. She gave a clarion call- "Awake, arise, and educate, Smash tradition- liberate!" She considered Ignorance as the biggest enemy. In one of her compositions, 'Agyan', she claimed- "Just One enemy do we have today. Let's thrash him and drive him away. The name of this enemy I shall tell. Listen

carefully, harkens well Ignorance!" She said, "If inequality in family; How can there be equality in society?" Every effort of the opponents, in place of dissuading her, rather bolded her aims. Savitribai was dishonored and humiliated on her way to school. She was often greeted with cow dung, stones and mud being thrown at her. Undeterred by such insults, author Divya Kandukuri says that Savitribai chose to carry an extra saree in her bag while going to school. Emphasis on Education for Woman

Savitribai Phule: The Invincible Spirit of Nari Shakti

"Jyotirao Phule and his wife Savitribai Phule stand out as an extraordinary couple, they were engaged in a passionate struggle to build a movement for equality between men and women and for social justice". Hari Narke

By Krati Jain/ Edited by Dr.Dinesh Narayan Verma(Retd.Prof.)



carefully, harkens well Ignorance!"

She said, "If inequality in family; How can there be equality in society?" Every effort of the opponents, in place of dissuading her, rather bolded her aims. Savitribai was dishonored and humiliated on her way to school. She was often greeted with cow dung, stones and mud being thrown at her. Undeterred by such insults, author Divya Kandukuri says that Savitribai chose to carry an extra saree in her bag while going to school. Emphasis on Education for Woman

Being a pragmatic feminist, she believed that men and women share equal functions in family and society. Her Indian way of Feminist ideology was not only practical in context of India but also shared features of variegated waves of Feminism ongoing globally. Education for her was not just literacy, rather it was a 'woman's door to freedom'. Her educational views stand in close concomitance with present view of apt educational set up. She was the glass breaker who sidelined the conventional system and stood for universal education for all. She brought forward the pluralistic view of education and also realized the importance of compulsory primary education. These ideas are reflected even in the fundamental rights and fundamental duties of Indian Constitution. She even wrote a poem, 'Go, Get Education'. Some of its lines are as followed: "Be self-reliant, be industrious, Work, gather wisdom and riches, All gets lost without knowledge, We become animal without wisdom, Sit idle no more, go, get education, End misery of the oppressed and forsaken, You've got a golden chance to learn, So learn and break the chains of caste."

In order to attract more students, she made a unique move of writing welcome poems for the newcomers- " I am pleased to greet you all today. And welcome you on this very fine day. The parents are all gathered here. Renowned personalities are also there. You honour us by your presence, you do! With joy and humility we welcome you. Come dear children, come..." In the 1850's the Phule couple started two educational trusts -

the Native Female School in Pune and The Society for promoting the Education of Mahars, Mangs and Etceteras ; many schools were opened under them. Savitri was the headmistress of one of these schools. In today's time we run Sarva Shiksha Abhiyan, prefer learner centric & participatory teaching methods, concept of mid-day meals, parents teacher meeting, providing incentives etc, which were taken into cognizance by Savitribai way back in 19th century. She not only organized regular meet up with parents to explain the value of education, but also provided stipends to check the drop out ratio from schools. Savitribai's herculean efforts to carve out space for females and downtrodden ones i.e. for Stree-Shudra-Atishudra in the field of education, also find mention in present times with 'access, equity and quality' being the three pillars of the modern education system. Kandukuri claims that her methods of teaching were in fact superior to those followed by the contemporary government. Savitribai was completely against the downward filtration theory of colonial rulers and had a clear bent of mind in favour of universal & mass education. Attacks on Socio-religious Evils

Evils against women existed in the backdrop of religious sanctions and social conventions, so Savitribai's fight for women, naturally called for a stance against existing social norms. Thus, her work for women emancipation and upliftment of downtrodden went in tandem with each other. She was one amongst the stalwarts of Maharashtra social reform movement, who left no stone unturned for the eradication of untouchability and caste-gender based discrimination. She posed a challenge to upper caste dominance and this made her the leading icon of Dalit, Mang & Mahar community. Phule fought for the 'right to live with dignity' way back in mid-19th century. Carving out her own niche betwixt the inner and outer circles of patriarchy and colonialism, her efforts were none less than a revolutionary. Education for her was the sunlight for the hitherto darkness accustomed downtrodden

strata. Considering the involvement of lower class in other physical works, she opened a night school for them. Savitribai, with the support of her husband also opened a well in their house for the so called untouchable ones whose shadow was even considered as impure and devilish. She equally suffered with her husband Jyotirao while raising a voice against the irrational notions of purity and pollution based on caste. Satyashodhak Samaj was founded in 1873 ; that had a motto to 'Liberalize, Equalize and Modernize', not only member of society but every person of India. The samaj worked ardently to support the lower castes and popularize the inter caste marriages. She headed the female branch of the organization and showed it the way ahead post the death of Jyotirao. She personally bore the expenses of first Satyashodhak marriage held by the samaj of Radha, daughter of Savitribai's friend Bajubai Gyanoba Nimbakar and activist Sitram Jabaji Aalhat. Apart from above mentioned works, Savitribai went a step further to work for widows and victims of child marriage. As a result of her strong will and determination, she founded 'Mahila Seva Mandal' to spread awareness on women rights and dignity. She played a commendable role in attacking the taboos attached to widowhood. Her approach towards them is pure, irrespective of the class or status of the widow i.e. whether the widow belonged to Brahmin or Non-Brahmin community was never a matter of concern for her. She successfully organized the strike of barbers to raise voice against the shaving off of heads of widows. In 1863, she opened 'Balhatya Pratibandhak Griha' i.e. an infanticide prohibition home which was unique in its own way. It provided safe shelter to pregnant Brahmin widows and rape victims so that they can deliver their baby without any fear. Her decision of adopting Yaswant Rao , son of a Brahmin widow sent shockwaves through the traditional societal setup and was clear triumph of her progressive mentality. Phule couple is credited with the starting of 52 food hostels in Maharashtra. In addition to taking care

of nutritional intake of students in class, Savitribai also worked tirelessly to help the victims of famine of 1876 and drought of 1897. Her dauntless spirit to serve the victims of the third bubonic plague was so intense that she continued doing so till her last breath. She along with son doctor-son Yashwantrao, helped to treat the people affected from plague in Nallasopara, Maharashtra. And finally, the woman who served others throughout her life, also passed away while treating the plague patient on March 10th, 1897.

Savitribai Phule left indelible marks in the field of literature as well. She has done praiseworthy efforts in promoting both Marathi and English language. Her writings infused life into the desires of contemporary women of getting liberated from the shackles of patriarchy. She consistently propagated the modern values such as humanism, liberty, equality, brotherhood and rationalism through her writings. M.G. Mali her biographer rightly noted her as "the mother of modern Marathi poetry" Although, she supported the cause of popularizing and enriching Marathi, she was equally aware of the need to raise the fluency of English language among the natives. Her thirst to learn English was quenched to a certain extent with the ardent support of Sagunabai, relative of Jyotirao who worked as nanny in British officer's house and therefore , could converse in the same. She wrote, "The outcasts can wipe away their woes if they wish, Here's a golden chance to learn English, Learn English and do away with caste discrimination. Cast away the tiresome tales of the Brahmins to damnation."

Two remarkable literary creations by her were- Kavya Phule (1851) and Bawan Kashi Subodh Ratnakar (1891). In Kavya Phule, she chose to write in simple and folk style with education, social welfare and caste discrimination as the subjects. It is on account of these poetic studs that she is often called as the pioneer of modern Marathi poetry. She considers education as a 'Golden chance' in Kavya Phule-It is as follows: "To attain self-reliance let us pledge, And ac-

cumulate a wealth of knowledge, Without learning, life is an animal existence, waste Don't rest, get an education, make haste, She put up the question "should they be called animals?" No knowledge, no learning No affinity for either, A brain that lies fallow Should they be called humans?" She also edited four of Jyotiba Phule's speeches on Indian history in 1856. Her three letters to Jyotiba spread over twenty years showcase a precious and rare piece of literature as women rarely wrote letters in those days. She discussed social issues in her letters. Savitribai's correspondence is also remarkable as it gives us an insight into life and women's experience of the time. She even wrote an essay on debt with the title ' Karz', thereby, condemning the vicious cycle of debt in which lower caste people got trapped. Her love for literature is visible from the fact that how she inspired one of her students to demand the establishment of a library in place of asking for gifts from the government. She inspired one of her disciples, Muktabai who wrote an essay on 'Mang Maharachya Dukhvisayi', which translates as 'Grief of the Mangs and Mahars', two Dalit caste groups that were exploited in the Maharashtra of those times. This essay is deemed to be among the earliest surviving documentations by a woman writer on the atrocities committed against untouchables, and is gripping even in English translation.

Thus Savitribai Phule was a woman of versatile genius and a great woman crusader of nineteenth century India. An educationist and a leading social reformer, she played an eminent role in the fields of Women Empowerment and Upliftment of the downtrodden. She was a woman of strong will who never hesitated to break the stereotypes. The time, when India was plagued with women's outraged modesty, when woman was not born, rather her identity was socially created; she became the supreme for all those who were living a life of slavery in their own homes. From fighting for her educational rights to lighting the funeral pyre of her husband, she never subdued before the social norms. However, the pages of history and literature fail to give her the place she deserves. Barring a few exceptions, she fails to find any mention in history of educational development in particular and that of Modern

India in general. Braj Ranjan Mani and Pamela Sardar in their book, 'A Forgotten Liberator: the Life and Struggle of Savitribai Phule', mention that Savitribai Phule struggled and suffered with her revolutionary husband in an equal measure, but remains obscured due to casteist and sexist negligence. It is beyond doubt that her struggles should be applauded by a wider spectrum, inclusive of non-Marathi people as well. Modern India's first woman teacher, a radical exponent of lower caste and female education, a champion of women's liberation and Dalit upliftment, a pioneer of engaged poetry, a bravo mass leader who took on the forces of caste and patriarchy, certainly had her independent identity and contribution; apart from being an ideal life partner of Mahatma Jyotirao Phule. It is indeed a measure of the ruthless elite-controlled knowledge-production that a figure as important as Savitribai Phule fails to find any mention in the history of Modern India. A woman of optimistic viewpoint, she shall always remain a ray of hope for those who dare to choose the cause of righteousness. She once said- "We shall overcome and success will be ours in the future. The future belongs to us." Prof. Hari Narke wrote in Mahatma Phule Gaurav Granth - More than Jyotirao, his wife deserves praise. No matter how much we praise her, it would not be enough. How can one describe her stature? Savitribai besides being a crusader of gender justice, also stands as an ideal for every Indian woman. Every woman of India should realise the hidden element of Savitribai within themselves and gather courage to fight back hard, whenever the Frankenstein of gender discrimination raises its head again. Savitribai is an ideal for every such person, particularly for women who have an urge to take a stand for their rights. Many ideals appraised by the constitution of India like Right to live with dignity, freedom of expression, fight against discrimination and untouchability, right to education etc could all be surmised into a single persona of the Krantijyoti Vidyajyoti Mother Savitribai Phule.

(Research Scholar, Department of History, D.G. PG College, Kanpur/ Founder Director, Study and Research Centre, Chandmari Road, Uttarpalli, Rampurhat (Birbhum) West Bengal.)

and that of Modern

अपराध और सियासत

प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े एक और आरोपी के मारे जाने के बाद एक बार फिर सियासी बयानबाजियां शुरू हो गई हैं। इस हत्याकांड से जुड़ा यह दूसरा आरोपी था, जो पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। किसी भी सभ्य समाज में अपराधियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए और इसे सुनिश्चित करना हर कल्याणकारी सरकार का दायित्व है।

इस लिहाज से उत्तर प्रदेश पुलिस ने निश्चित रूप से तत्परता दिखाई और राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल को दिनवहाड़े गोली मारने वाले आरोपियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। उसी कोशिश में वे दोनों मारे भी गए। चूंकि राजू पाल और उमेश पाल की हत्या के पीछे वजह राजनीतिक रंजिश बताई जाती है, इसलिए भी इन मुठभेड़ों को राजनीतिक रंग देने में आसानी ही गई है।

मगर सवाल है कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में अपराधियों ने आम लोगों को दहशत में जीने पर मजबूर किया है, उसमें उन्हें राजनीतिक संरक्षण में क्यों फलने-फूलने दिया जाना चाहिए। छिपी बात नहीं है कि अपराधिक प्रवृत्ति के बहुत सारे लोग कानूनी संरक्षण पाने के मकसद से किसी न किसी राजनीतिक दल का दामन थाम लेते और फिर न सिर्फ निर्भय होकर घूमते, बल्कि और दहशत फैलाना शुरू कर देते हैं। अच्छी बात है कि उत्तर प्रदेश पुलिस ऐसे लोगों के दहशत को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

छिपी बात नहीं है कि राजू पाल की हत्या इसलिए करा दी गई थी कि उन्होंने बाहुबली नेता अतीक अहमद को चुनौती दी और उनके निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीत गए थे। राजू पाल के परिजनों ने प्राथमिकी में स्पष्ट आरोप लगाया था कि अतीक अहमद ने ही राजू पाल की हत्या कराई। उस घटना के इकलौते गवाह उमेश पाल थे। उनकी हत्या में भी अतीक अहमद के लोगों का ही हाथ बताया गया।

जो भी अपराध की दुनिया से थोड़ा-बहुत परिचित है, वे अतीक अहमद की दबाई से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मगर अतीक अपने राजनीतिक रसूख की वजह से कानून की पकड़ से बचे रहे। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने राजनीतिक संरक्षण में रहते हुए कानून के चंगुल से बचते आ रहे ऐसे तमाम अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू किया है, तो आम लोगों ने स्वाभाविक ही राहत की सांस ली है। मगर सलाह है कि राजनीतिक विरोधियों को यह कड़ाई रास नहीं आ रही और ऐसी कार्रवाइयों के खिलाफ कोई न कोई तर्क जुटाने का प्रयास करते देखे जाते हैं।

यह ठीक है कि पुलिस को किसी अपराधी को जान से मारने का अधिकार नहीं है, उसकी कुशलता इस बात में मानी जाती है कि वह अपराधी को पकड़ कर अदालत के सामने पेश करे। मगर जब कोई अपराधी पुलिस पर गोलियां दागनी शुरू कर दे, तो बचाव में पुलिस को भी गोलियां चलानी ही पड़ती है।

उमेश पाल हत्याकांड में आरोपियों पर शिकंजा कसने के दौरान भी यही हुआ। इससे अपराधियों में यह संदेश बहुत कड़े ढंग से गया है कि ऐसी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से इससे आम लोगों का भी पुलिस के अपराधियों पर नकेल कसने की प्रतिबद्धता को लेकर भरोसा बढ़ा है। उत्तर प्रदेश सरकार शुरू से राज्य में अपराध मिटाने को लेकर संकल्पबद्ध है। ऐसे में उससे यह अपेक्षा बनी हुई है कि वह अपराधियों को किसी भी रूप में राजनीतिक चश्मे से देखने का प्रयास नहीं करेगी।

मार्ग-दर्शन

परोपकार को कर्म में जिया वृद्ध ने

एक गांव में एक वृद्ध रहता था। उसकी उम्र अस्सी पार कर चुकी थी और वह कृशकाय था। उसका गांव हरे-भरे खेतों से भरपूर था। वह प्रतिदिन गांव से पांच मील दूर उस उजाड़ वन में जाता, जो उसके गांव को पास वाले गांव से जोड़ता था और दोनों गांवों के लोग इस मार्ग से आते-जाते थे। इस वन के अधिकांश पेड़-पौधे सूख चुके थे। वृद्ध वन में बने एक नाले से पानी ला-लाकर उन पेड़-पौधों को रोज सिंचता। एक दिन जब नाले का पानी सूख गया, तो वह कुछ दूर स्थित एक किसान के खेत पर गया। किसान खेत पर बनी झोपड़ी में बैठा था। उसने वृद्ध से पूछा- 'वन्य चाहिए बाबा ?' वृद्ध बोला- 'मुझे चार-पांच घड़े पानी चाहिए।' वन के सूखे पेड़-पौधों को सिंचना है। नाले का पानी सूख गया है, यदि तुम थोड़े दिन मुझे अपने कुओं से पानी दे दोगे, तो ये पेड़-पौधे पनप जाएंगे।' किसान ने हैरानी से पूछा- 'बाबा! तुम गांव से पांच मील यहां आकर क्यों पेड़-पौधे सिंच रहे हो ?' वृद्ध ने कहा - 'मेरा एक ही बेटा था, जो जवानी में किसी बीमारी से मर गया। मैं ठहरा गरीब। उसकी याद में धर्मशाला, तालाब, बावड़ी तो बना नहीं सकता, इसलिए इन पेड़-पौधों को इस आस में सिंचता हूँ कि जब ये हरे-भरे हो जाएंगे, तो इनकी छाया में मनुष्य, पशु-पक्षी विश्राम लेंगे और फल के रूप में उन्हें कुछ आहार मिलेगा। जब तक मेरे शरीर में ताकत है, तब तक तो यह काम करूंगा।' उस कृशकाय वृद्ध की कल्याणकारी भावना देख किसान उसके प्रति नतमस्तक हो गया। किसान ने भी उस दिन से उसके कार्य में हाथ बंटाना शुरू कर दिया। सार यह है कि अपने लिए तो सभी जीते हैं, दूसरों के लिए जीने वाला मनुष्य सच्चे अर्थों में महान होता है।

जीने की राह

श्रेष्ठता जहां से भी मिले उठा ले

आयु बढ़ने के साथ जीवन भले ही कम हो, लेकिन मूल्य आधारित जिसे कहें वेल्यू वेस्ट बातां की बढ़ती होती रहनी चाहिए। वृद्धि केवल धन की न हो, सद्भाव और सदसंस्कारों की भी वृद्धि होते रहनी चाहिए। अच्छाईयां बढ़ाने के लिए कोई बाहरी धंधा नहीं करना पड़ता। यह स्वयं से स्वयं का किया हुआ व्यापार है। श्रेष्ठता जहां से मिले, अपने लिए उठा लेनी चाहिए और दूसरों में बांटते रहना चाहिए। चौबीसवें जैन तीर्थंकर भगवान महावीर का एक नाम वर्धमान बहुत लोकप्रिय हुआ। वर्धमान शब्द का गहरा अर्थ विनोबाजी ने विष्णु सहस्रनाम में बताया है। वे कहते हैं- वर्धमान यानी नित्य बढने वाला, आज का कल नहीं, रोज का रोज विकसित होने वाला। जिसके चित्त का विकास, गुणों का विकास रोज होता है, वह वर्धमान है। वैदिक परंपरा में आशीर्वाद दिया जाता है- शतं जीव शरदो वर्धमानः। चित्तवृत्तियां विकसित हो रही हैं, चिंतन-शक्ति बढ़ रही है, ऐसी हालत में सौ साल जीएं। वर्धमान शब्द जैनों ने उठाया। महावीर को वर्धमान नाम दिया। महावीर की ऐसी स्थिति थी। काल के साथ लड़कर वे 'वीर' बने, फिर वीर से महावीर बने। इसलिए वर्धमान नाम उनके शोभा देता है। शारीरिक आयु तो सबकी बढ़ती है, लेकिन उठना मात्र से सबको वर्धमान नहीं कह सकते। आत्मा का आयुष्य बढ़ानेवाला वर्धमान है। वर्धमान पुरुषों का क्षीण होना ही उनकी वृद्धि है और मृत्यु वजवीवन। वर्धमान पुरुष की मृत्यु होती है, तब वह एकदम ऊपर चढ़ता है। ऐसे पुरुष देव के बाहर रहकर भी ज्ञान दे सकते हैं और हम पाते हैं कि सभी महापुरुषों के भीतर का वर्धमान थोड़े से समय पर से हमसे भी जुड़ सकता है।

नाम बदलने पर सुप्रीम कोर्ट की बातों का क्या है अर्थ

सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी आक्रमणकारियों के नाम पर रखे गए शहरों, स्थानों और सड़कों के नाम बदलकर प्राचीन मूल नाम रखने संबंधी याचिका खारिज करते हुए जो टिप्पणियां कीं, उन पर बहस होनी चाहिए। जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरल की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि भारत सेकुलर देश है और राष्ट्र अतीत का बंधक बनकर नहीं रह सकता। इसी तरह अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से उठाए गए मुद्दों और इस्तेमाल किए गए शब्दों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि आपकी उंगली एक विशेष समुदाय की ओर उठ रही है। इसी में आगे कोर्ट ने प्रश्न किया कि क्या आप देश में उबाल बनाए रखना चाहते हैं?

क्यों खारिज हुई याचिका
सुप्रीम कोर्ट से ऐसी टिप्पणियां आएंगी तो स्वाभाविक ही वे सुर्खियां बनेंगी। लेकिन इन्हें इस तरह प्रस्तुत किया जा रहा है, मानो कोर्ट ने नए नामकरण के विरुद्ध स्टैंड ले लिया हो। क्या यह सच है, आइए देखते हैं।

-याचिका में गृह मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह आक्रमणकारियों के नाम वाली सड़कों और शहरों के नाम बदलकर उनके पुराने ऐतिहासिक नाम बहाल करने के लिए रीनेमिंग कमिशन यानी पुनर्नामकरण आयोग गठित करे।

-सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा निर्देश देने से इनकार किया और उसी में याचिकाकर्ता अधिनी उपस्थित से कहा कि हजारों सड़कें हैं मुस्लिम नाम वालीं। बनावड़, इससे आपके किस मौलिक अधिकार का हनन हुआ है?

-पीठ ने कहा कि कोर्ट जब अनुच्छेद-32 के तहत दाखिल याचिका पर सुनवाई करता है तो मौलिक अधिकारों को लागू करने पर विचार करता है। इस तरह की याचिकाओं पर विचार करने का उसके पास मौलिक अधिकार का ही ढांचा है। वह इससे बाहर जाकर

विचार नहीं कर सकता।
-याचिका खारिज होने का मुख्य कारण यही है। अगर कोर्ट की टिप्पणियों का यह अर्थ निकाला जाएगा कि उसने भविष्य में नामकरण के किसी भी कदम के संदर्भ में निषेधात्मक टिप्पणी की है तो यह सही नहीं होगा।
सचाई यह है कि ऐसे विषय अदालत में जाने ही नहीं चाहिए। यह तो समाज और राजनीति से जुड़ा मामला है। अदालत में ऐसे मामले तभी उठेंगे, जब किसी नाम को बदलने के विरुद्ध उसके पास याचिकाएं आएंगी या उस जगह पर



अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से उठाए गए मुद्दों और इस्तेमाल किए गए शब्दों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि आपकी उंगली एक विशेष समुदाय की ओर उठ रही है। इसी में आगे कोर्ट ने प्रश्न किया कि क्या आप देश में उबाल बनाए रखना चाहते हैं?

दो या कई पक्ष दावा करेंगे। कोर्ट अगर सरकार को इस तरह के निर्देश देने लगे तो भानुमति का पिटाया खुल जाएगा।

जब सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आपके किस मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है तो याचिकाकर्ता ने बताया कि गरिमा (अनुच्छेद-21) संस्कृति, धार्मिक स्वतंत्रता और इतिहास को जानने के उनके अधिकार का हनन हो रहा है। यह सच है कि विदेशी आक्रमणकारियों ने पुरानी जगहों के मूल नाम बदल दिए। उदाहरण के लिए, एक शक्तिपीठ फिरेंशरी है, लेकिन आक्रमणकारियों ने उसका नाम मुर्शिदाबाद कर दिया। इस तरह के अनेक ऐतिहासिक तथ्य याचिकाकर्ता ने रखे थे। यह कहना

गलत है कि अदालत ने इन तथ्यों को अस्वीकार कर दिया।
-जस्टिस नागरल ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत पर राज किया, यह एक ऐतिहासिक तथ्य है। इसे झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन प्रश्न किया कि आप याचिका से हासिल क्या करना चाहते हैं? पीछे देखने के बजाय क्या हमें आगे नहीं बढ़ना चाहिए?
-सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिलाया कि भारत ने कानून के शासन, पंथांतरपंक्षता और संवैधानिकता को अपनाया है, जिस पर अनुच्छेद-14 यानी समानता का

सच माना है।
-पीठ ने इसे ऐतिहासिक तथ्य कहा तो इसका उल्लेख किए बिना आप समग्र विश्लेषण नहीं कर सकते।
-उसकी चिंता यह थी कि अतीत के विषय को उठाने से देश का भला नहीं होगा। अदालत की भावना यही थी कि गड़े मुर्दे उखाड़ने का कोई लाभ नहीं।
-जस्टिस जोसेफ ने हिंदुत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा है कि मैं ईसाई हूँ फिर भी हिंदुत्व का प्रशंसक हूँ जो महान धर्म है।
-जस्टिस नागरल ने भी हिंदुत्व को कट्टरता से परे बताते हुए कहा कि हिंदुत्व एक जीवन पद्धति है। भारत में जितने बड़े पैमाने पर ध्वंस और नाम बदलने के कदम आक्रमणकारियों ने उठाए, उनकी तुलना में पुनर्नामकरण का कोई अभिमान नहीं चल रहा है। देश के एक बड़े वर्ग के मन में इन आरोपित नामों की जगह प्राचीन, मूल नाम रखने की इच्छा जरूर है। इसके बावजूद सरकारें सतर्कतापूर्वक काम करती हैं।

निजी स्तर पर अनेक लोगों ने भारी संख्या में स्थानों के इतिहास और उसके वास्तविक नामों पर काफी कुछ लिखा है। निष्पक्षता तो यही है कि कभी किसी ताकतवर ने महत्वपूर्ण स्थलों को ताकत की बदौलत ध्वस्त कर दिया या उनमें परिवर्तन कर नए नाम दे दिए तो उस अपराध को सुभारा जाना चाहिए। ऐसे अनेक स्थान हैं जिनके नष्ट किए जाने या नामकरण के विरुद्ध संघर्ष हुए और लोगों के मन में पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह भाव बना रहा कि एक दिन आक्रमण का अवशेष अवश्य खत्म होगा। हां, ऐसे हर स्थल का नाम बदल ही दिया जाए इस तरह का अभियान चलाना न उचित होगा और न समझदारी। उच्चतम न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने कहीं नहीं कहा है कि किसी स्थान का नाम बदला ही नहीं जाना चाहिए या जिन स्थानों का नाम बदले गए वे सिंधान के पैमाने पर सही नहीं है।

गड़े मुर्दे ना उखाड़ें
लेकिन आखिर निष्पक्षता का मतलब क्या है, इस पर अदालत में आगे कोई याचिका आएगी तो उस पर बहस होगी। तब उस पर कोर्ट की टिप्पणियां आ सकती हैं। फिलहाल उस बारे में बात नहीं हुई है। आगे सुप्रीम कोर्ट की इस मामले में की गई टिप्पणियों से जुड़े कुछ ऐसे पहलू हैं, जिन पर देश का एक बड़ा वर्ग नाक-भौंह सिकोड़ता रहता है। एक नजर इस मुद्दे पर भी डाल लेते हैं।
-अदालत ने आक्रमणकारियों के हमले और नामों को बदलने की कृतियों को

साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा। 1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुए एक-एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं। पाकिस्तान के आतंकवाद से तौबा करने की संभावना जरूर थोड़ी ज्यादा जटिलता लिए हुए है, लेकिन आतंकवाद सिर्फ भारत का नहीं, वैश्विक मसला है। पाकिस्तान इस बात को जितनी जल्दी समझ ले, उतना बेहतर।

साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा। 1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुए एक-एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं। पाकिस्तान के आतंकवाद से तौबा करने की संभावना जरूर थोड़ी ज्यादा जटिलता लिए हुए है, लेकिन आतंकवाद सिर्फ भारत का नहीं, वैश्विक मसला है। पाकिस्तान इस बात को जितनी जल्दी समझ ले, उतना बेहतर।

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बाहरी खतरों का आकलन करने वाली अपनी सालाना रिपोर्ट में जिस तरह से चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जताए की है, वह सभी पक्षों के ध्यान देने लायक है। अमेरिकी कांग्रेस में बुधवार को पेश की गई इस रिपोर्ट के मुताबिक नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार के दौरान कोई वास्तविक खतरा होने पर या खतरों का आभास होने पर भी भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई की संभावना पहले की सरकारों के मुकाबले ज्यादा है। अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अगर भारत की मौजूदा सरकार को लेकर यह राय बनी है तो इसके पीछे संभवतः देश की सुरक्षा से जुड़े मसलों पर सरकार का ज्यादा चौकस रहना है। इस लिहाज से उक्त राय को एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट के ही रूप में लेना ठीक रहेगा। लेकिन साथ ही इससे उभरती इस सचाई की भी नकारा नहीं जा सकता कि भारत की सरहदों पर शांति कायम रहने की संभावना कम होने की जो बात इस रिपोर्ट में कही गई है, वह

सरहद पर शांति जरूरी

निराधार नहीं है। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात करें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण पर सौजन्यपूर्ण जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है। लेकिन बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है।
शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरूप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला माना आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मसले को उछलाने से बाज नहीं आता। इसके अलावा भारत में आतंकवादी घटनाओं को अजामा देने वाले संगठनों और उनसे जुड़े लोगों पर लगाम कसने में पाकिस्तान सरकार की नाकामी भारत के साथ रिश्ते सुधारने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। जहां तक चीन का सवाल है तो सीमा पर विवाद बने रहते हुए भी भारत के

महिलाओं को 33% आरक्षण अब नहीं तो कब

लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण अब नहीं तो कब ? इस सवाल का जवाब शायद मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन की ओर से मिल सकता है, क्योंकि लोकसभा में न सिर्फ NDA निर्णायक बहुमत में है, बल्कि सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी समेत अधिकांश छोटे-बड़े राजनीतिक दल भी महिला आरक्षण के समर्थन में हैं। महिला आरक्षण के लिए संविधान संशोधन बिल लाए बिना संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का समुचित प्रतिनिधित्व संभव नहीं हो सकता।

पहली बार महिला आरक्षण बिल 1996 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की सरकार के दौरान देखा गया। बाद में 1998, 1999 और 2008 में भी यह बिल पेश किया गया। 2008 में इस विधेयक को राज्यसभा में पेश किया गया, जहां से उसे स्थायी समिति में भेजा गया था। 2010 में उच्च सदन ने इसे पारित कर दिया था। उसके बाद इसे लोकसभा को भेज दिया गया। हालांकि यह विधेयक 2014 में 15वां लोकसभा की समाप्ति के साथ ही खत्म हो गया। इस मुद्दे पर 4 समितियां बनाई गईं लेकिन उनकी रिपोर्ट पर कभी कोई कार्रवाई नहीं

हुई। 2010 में राज्यसभा में पारित होने पर लोकसभा में अगर बीजेपी इस बिल का समर्थन कर देती तो अब तक यह कानून बन चुका होता।
एनडीए की प्रचंड बहुमत वाली केंद्र सरकार ने 9 दिसंबर को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में आंकड़े देकर बताया कि आंध्र प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना में 10 फीसदी से भी कम महिला विधायक हैं। हाल ही में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में केवल 8.2 प्रतिशत महिलाएं विधायक बन सकी हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में इस बार केवल एक महिला विधायक बनी हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 17वीं लोकसभा में महिला सांसदों की हिस्सेदारी 14.94 प्रतिशत और राज्यसभा में 14.05 प्रतिशत है। जबकि राजनीति में महिलाओं की जागीर का वैश्विक औसत 25.5 फीसदी है। तस्वीर साफ है कि देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व महज 14-15 प्रतिशत ही है।
'ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के अनुसार, राजनीतिक संशर्षा के पक्ष में भारत के सूचकांक में अग्रगण्य देशों में गिरावट आई है और महिला विधानसभा में 33 फीसदी तक पहुंच गई है। भारत में लैंगिक समानता की खाई इतनी चौड़ी है कि अगर इस सत्र में महिला आरक्षण लागू होता है तो भी वर्ष 2063 तक हम लैंगिक समानता का लक्ष्य हासिल कर पाएंगे। तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि जब भी लोकसभा महिला आरक्षण विधेयक को पारित करेगी, बीआरएस इसका पूर्ण समर्थन करेगी। इसके अलावा तेलंगाना की बीआरएस सरकार ने स्थानीय निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण देकर भारत का ऐसा पहला राज्य बनने का गौरव हासिल किया है।

करोब 13 लाख महिला प्रतिनिधि पंचायतों और शहरों के स्थानीय निकायों में चुनकर आई हैं, अब अपने आप में महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। शुरुआत में

दैनिक पंचांग		शनिवार 2023 वर्ष का 70 वां दिन	
11 मार्च 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति		दिशाशूल पूर्व ऋतु शिशिर। विक्रम संवत् 2079 शक संवत् 1944	
		मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) पक्ष कृष्ण	
ग्रह स्थिति		तिथि चतुर्थी 22.06 बजे को समाप्त।	
सूर्य	कुंभ में	चंद्रमा	22.06 बजे को समाप्त।
शुक्र	मेष में	शनि	22.06 बजे को समाप्त।
गुरु	वृष में	राहु	22.06 बजे को समाप्त।
शुक्र	कुंभ में	केतु	22.06 बजे को समाप्त।
गुरु	मेष में		
शनि	वृष में		
राहु	कुंभ में		
केतु	तुला में		
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	चंद्रमा	18.7 घण्टे
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	07.10 से 08.42 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	08.42 से 10.14 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक
गुरु	02.42 से 04.10 बजे तक	राहु	04.23 से 05.56 बजे तक
शुक्र	04.10 से 05.37 बजे तक	शनि	05.56 बजे तक
गुरु	05.37 से 07.23 बजे तक	राहु	07.10 से 08.42 बजे तक
शुक्र	07.23 से 08.51 बजे तक	शनि	08.42 से 10.14 बजे तक
गुरु	08.51 से 10.19 बजे तक	राहु	10.14 से 11.47 बजे तक
शुक्र	10.19 से 11.46 बजे तक	शनि	11.47 से 01.19 बजे तक
गुरु	11.46 से 01.14 बजे तक	राहु	01.19 से 02.51 बजे तक
शुक्र	01.14 से 02.42 बजे तक	शनि	02.51 से 04.23 बजे तक

संक्षिप्त समाचार

बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे अस्पताल, स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीम का हुआ गठन

हरिद्वार/इन्तजार रखा। हरिद्वार में बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे अस्पताल लैब एवं क्लीनिक की जांच-पड़ताल के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीम का गठन कर दिया गया है। टीम को 15 दिन के अंदर जांच-पड़ताल कर रिपोर्ट देनी होगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। हरिद्वार जिले में बिना पंजीकरण के संचालित होने वाले अस्पताल, पैथोलॉजी लैब एवं क्लीनिक की बाढ़ सी आ गई है। शहर के अलावा कर्बो एवं गांव में भी इस तरह के क्लीनिक एवं लैब संचालित हो रहे हैं। अब स्वास्थ्य विभाग ने इन अस्पताल, क्लीनिक एवं लैब पर कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है।

फैक्ट्री में घुसे अज्ञात बदमाश, कर्मचारियों के साथ की मारपीट

हरिद्वार/ इन्तजार रखा। हरिद्वार के थाना पथरी क्षेत्र के गांव इब्रामिपुर में स्पेनचर एंटरप्राइज फैक्ट्री में लगभग 6 से 7 अज्ञात बदमाशों ने घुसकर 6 कर्मचारियों को घायल किया। लेकिन अज्ञात बदमाशों को यह नहीं पता था कि उनकी सारी करतूत फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो जाएगी। घायल कर्मचारियों ने तत्काल अपने सुपरवाइजर सुशील कुमार को सूचना दी कि हमारे साथ अज्ञात बदमाशों ने फैक्ट्री में घुसकर मारपीट की और हमें जान से मारने का प्रयास किया अज्ञात बदमाशों का फैक्ट्री में घुसने का इरादा क्या था यह तो जांच का विषय है, फैक्ट्री के सुपरवाइजर सुशील कुमार ने फैक्ट्री में पहुंचकर डायल 112 पर चार बार सूचना दी लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई सहाय्य नहीं मिल सका फिर सुशील कुमार ने घायल कर्मचारियों को 108 के माध्यम से जिला अस्पताल में उनका इलाज शुरू कराया, सुशील कुमार ने अपने कर्मचारियों का मेडिकल करा कर पुलिस में शिकायत देने की बात कही इन घायल कर्मचारियों में 6 को चोट आई है जिन का इलाज जिला अस्पताल में कराया गया है।

गंगोत्री नेशनल पार्क एक अप्रैल से खुलेगा, प्रशासन ने की पूरी तैयारियां

उत्तरकाशी/सुमित कुमार। गंगोत्री नेशनल पार्क प्रशासन ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। गंगोत्री नेशनल पार्क एक अप्रैल से खुलेगा.. आपको बता दें कि गंगोत्री नेशनल पार्क में पिछले वर्ष 30 नवम्बर को बन्द हुए थे .

डीएम से मिला प्रतिनिधिमंडल, शराब के टेके को स्थानांतरित करने की मांग

पौड़ी/ भगवान सिंह। यन्केश्वर ब्लॉक के नीलकंठ रोड पर गरुड़ चट्टी में खुले शराब के टेके के विरोध में एक प्रतिनिधिमंडल डीएम से आकर मिला, और शराब के टेके को इस स्थान से हटाने की मांग की, इस दौरान लोगों का कहना था कि यह क्षेत्र कुंभ मेला क्षेत्र तथा विश्व प्रसिद्ध नीलकंठ शिव धाम मेला क्षेत्र के अंतर्गत आता है। तथा गंगा नदी के निकट यह स्थान राजाजी पार्क क्षेत्र के अंतर्गत भी है जिससे हाथियों की आवाजाही इस क्षेत्र में बनी रहती है। इस क्षेत्र में लगभग 4 लोगों की अब तक शराब के टेके के करीब हाथी द्वारा मारे जाने की घटनाएं हुई हैं। जिसके कारण यह स्थान अत्यंत संवेदनशील है। कहा कि जनता के विरोध के बावजूद भी टेका संचालित हो रहा है जोकि तर्कसंगत नहीं है। प्रतिनिधिमंडल के साथ आए चंद्र भूषण शर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी ने 4 दिन के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कहा कि है यदि प्रशासन द्वारा शराब के टेके को हटाने की कार्रवाई नहीं की जाती है। तो जनता द्वारा मिलकर शराब के टेके को बंदकर दिया जाएगा।

बजट सत्र को लेकर शुरू हुआ घनासान, गैरसैन्य का पहला सत्र 13 मार्च से होगा शुरू

देहरादून/सुभाष गौड़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल में गैरसैन्य का पहला सत्र 13 मार्च से शुरू होगा। जिसको लेकर प्रशासन मुरस्तेद नजर आ रहा है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि विपक्षी पार्टियां और आंदोलनकारियों द्वारा सत्र के दौरान प्रदेश में घटित विभिन्न मुद्दों को लेकर विधानसभा का घेराव और आंदोलन भी कर सकती हैं। जिसको लेकर प्रशासन द्वारा बड़ी मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। वहीं सत्र के दौरान कोई व्यवधान पैदा न हो इसके लिए भी एडीजी लॉ एंड ऑर्डर की फुलेशन ने चमोली पुलिस को मुख्यालय स्तर से अलर्ट मोड पर रहने की हिदायत दी है।

394 लोगों का लॉटरी के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना आवंटित

देहरादून/ सुभाष गौड़। देश भर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदकों का आवंटन किया जा रहा है। और इसी के तहत उत्तराखंड में भी शहरी विकास विभाग द्वारा 394 लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उधम सिंह नगर के सितारगंज क्षेत्र के लोगों को आवास आवंटित किया गए। इस दौरान 11 सौ से ज्यादा लोगों ने आवास योजना के तहत लॉटरी डाली थी। जिसमें से प्रथम चरण में 394 लोगों को आज लॉटरी के माध्यम से आवंटित हुए।

शिवपाल सिंह यादव का बीजेपी सरकार के खिलाफ बड़ा बयान

इटावा/रोहित सिंह चौहान। शिवपाल सिंह यादव ने बीजेपी सरकार के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। दरअसल, एक निजी स्कूल के उद्घाटन करने शिवपाल पहुंचे थे.. इस दौरान वो बीजेपी को जमकर घेरते दिखे.. उन्होंने कहा कि इटावा शहर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा है, कोई बड़ा शहर नहीं है, और यहां पर कोई बड़ा व्यापार भी नहीं है, जिसकी वजह से बेरोजगारी है। युवाओं ने शिक्षा तो अच्छी प्राप्त कर ली.. लेकिन रोजगारनहीं मिल रहा है.. किसानों के साथ भी सरकार को कई चुनौतियां हैं.. किसानमहानत करने के बाद भी सुखीनहीं है.. आज भ्रष्टाचार इतना पनप गया है कि किसी भी सरकारी कार्यालय में जाओ बिना रिश्वत के कोई काम नहीं होता। भारतीय जनता पार्टी ने भ्रष्टाचार के मामले में सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं।

सूरज चंद पाण्डेय ने की प्रेस वार्ता

देवरिया/ सोनु यादव। देवरिया जनपद के रूद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी बीजेपी वरिष्ठ नेता सूरज चंद पाण्डेय ने मन्नु तिवारी के आवास पर प्रेस वार्ता किया.. जिसमें उन्होंने समाज सेवा करने का एलान कर दिया.. पाण्डेय ने मीडिया से बातचीत में बताया कि मैं देवरिया लोक सभा चुनाव में बीजेपी से अपनी दम्पदारी पेश करना चाहता हूं.. और भारतीय जनता पार्टी ने मुझे लोक सभा चुनाव में अपना उम्मीदवार घोषित किया.. तो मैं दम्पदारी के साथ चुनाव लड़ूंगा.. उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मैं जनता का सेवा करने के लिए चुनाव मैदान में आ रहा हूं।

ट्रेक्टर ट्रॉली ने युवक को कुचला, युवक की मौत के पर हुई मौत

सहारनपुर/सुशील कपिल। सहारनपुर थाना कुतुबशेर क्षेत्र में गुड शक्कर से भरी ट्रक्टर ट्रॉली ने एक युवक को कुचल दिया.. जिससे उसकी मौत हो गई है.. दरअसल, ये दो व्यक्ति जगाधरी से खरीदारी करने सहारनपुर आये थे.. फिलहाल, पुलिस ट्रक्टर ट्रॉली चालक की तलाश में जुटी है..

जिला पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने रखे अपने विचार

कुरुक्षेत्र (दलबीर मलिक)

महिलाएं समाज को सभ्य बनाने से लेकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं इसलिए कह सकते हैं कि राष्ट्रीय निर्माण में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान है। महिलाएं बहुत संघर्षशील होती हैं चाहे घर हो या आफिस आज महिलाओं ने खुद को हर क्षेत्र में साबित किया है। कहा जाता है कि जिम्मेदारी उसी को दी जाती है जो उसको निभाने योग्य हो, इसलिए महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। नौकरी हमारी पहचान का हिस्सा है पहचान नहीं और पुलिस जैसे विभाग में नौकरी करने के लिए तो बहुत संवेदनशील होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें हर रोज कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है और हमें सीखना भी चाहिये क्योंकि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। ये बातें शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस



अधीक्षक, रामदत्त नैन ने पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र के सभागार में कही। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक श्री सुरेन्द्र सिंह भारिया के निर्देशानुसार पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मनाये गये इस अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम

में पुलिस अधीक्षक उप पुलिस अधीक्षक रामदत्त नैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों, डाक्टर, समाजसेवी संस्थाओं, कांसेलर जिला बाल कल्याण समिति व अन्य विभागों से आई महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ सुमंथा

रहिया ने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कहा कि महिला सशक्तीकरण एक विवेकपूर्ण प्रक्रिया है। महिला दिवस का औचित्य तब तक प्रमाणित नहीं होता जब तक कि सच्चे अर्थों में महिलाओं का सम्मान नहीं हो सकेगा। महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण तो तभी सार्थक साबित होगा जब महिलाएं

आत्मनिर्भर होंगी। नारी के बिना किसी भी परिवार का सम्मान नहीं हो सकता। देश व समाज के निर्माण में नारी का योगदान कम नहीं है। नारी स्वयं अपने अस्तित्व को सम्भाले। आज महिलाओं के स्वावलंबन पर जोर दिया जा रहा है। महिलाओं को अपने अधिकारों की समुचित जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में बोलते हुए डीएवो

पुलिस पब्लिक स्कूल पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र की प्रिंसिपल मोनिका भाटिया ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं की यह सफलता निश्चित ही संतोष प्रदान करती है। शिक्षित एवं संपन्न महिलाओं को चाहिए कि वे पिछड़ी महिलाओं के लिए जो भी कर सकती हैं, करें। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की दशा सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

इस मौका पर डा. सुमंथा दरिया, वन-स्टाप सेंटर इंचार्ज सैलजा सैनी, समाज सेविका परमजीत कौर, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल मोनिका भाटिया, बाल कल्याण प्रदान करती है। शिक्षित एवं संपन्न महिला थाना प्रभारी निरीक्षक सीमा कुमारी, निरीक्षक मेवा देवी, उप निरीक्षक तारो देवी, रमनदीप कौर, सहायक उप निरीक्षक वीणा यादव, संतोष सहित काफी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज के तहत 35 प्रतिशत दी जा रही है सब्सिडी

खाद्य संस्करण फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमों को ऋण उपलब्ध करा रही है सरकार: डीसी शांतनु शर्मा

अमित बड़सीकरी

ये हैं योजना की शर्तें

» जिला उद्योग विस्तार अधिकारी बलदेव आर्य ने जानकारी देते हुए कहा कि आवेदन के लिए नजदीक राजकीय आईटीआई के पास जिला उद्योग केंद्र में सम्पर्क किया जा सकता है या मोबाइल नम्बर 9996023373 पर सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रार्थी की आयु कम से कम 18 वर्ष व शैक्षणिक योग्यता कम से कम आठवीं पास होना चाहिए। प्रार्थी का आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक की कॉपी (आईएफएससी कोड और अकाउंट नंबर सहित) पिछले 6 महीने की बैंक स्टेटमेंट, उद्योग लगाने के लिए जगह का वैलिड प्रूफ (जमीन की रजिस्ट्री, रेंट एग्रीमेंट, बिजली के बिल की कॉपी जो एक महीने से ज्यादा पुरानी नहीं, टेलीफोन बिल की कॉपी, पानी के बिल की कॉपी या रेंट एग्रीमेंट की कॉपी लगानी होगी। जो उद्योग लगाना चाहते हैं उस उद्योग से संबंधित मशीन का नाम और उसकी लगभग कीमत की जानकारी होनी चाहिए।

सकते हैं। यह सब्सिडी केवल उन्हीं लाभार्थियों को दी जाएगी जो केवल फूड इंटरस्ट्री में अपना छोटा या बड़ा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। सरकार की इस विशेष पहल से कई सूक्ष्म खाद्य उद्यमों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि नमकीन बनाने का बिजनेस, कोल्ड ड्रिंक बनाने का बिजनेस, खोया पनीर बनाने

का बिजनेस बेकरी यूनिट (बर्गर, बिरिकट, ब्रेड, केक इत्यादि), अचार बनाने की यूनिट, सरसों से तेल निकालने की मील पापड़ बनाने का बिजनेस, दाल बनाने का बिजनेस, समोसा मॅकिंग मशीन, पानी पुरी मॅकिंग मशीन मसाला पिसाई यूनिट, आलू या केले के चिप्स बनाने की यूनिट, लहसुन या अदरक की पेस्ट

बनाने की यूनिट सोयाबीन से पनीर बनाने की यूनिट, गेहूं बाजरा का दलिया, मैदा आटा बनाने की यूनिट, हलवाई के काम के लिए जैसे कि लड्डू बर्फी बनाने के लिए, रसगुल्ला बनाने के लिए, शहद का व्यवसाय शुरू करने के लिए, आंवला से मुम्ब्या बनाने की यूनिट के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जाता है।

एमएसीटी केसों के निपटारे के लिए लोक अदालत का आयोजन आज

कुरुक्षेत्र(दलबीर मलिक)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशानुसार 11 मार्च 2023 को लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

इस लोक अदालत में एमएसीटी के केसों का निपटारा किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति जिनके एमएसीटी के केस अदालत में चल रहे हैं, वे इस लोक अदालत के माध्यम से वो अपना मामला निपटा सकते हैं।

सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने कहा कि इस लोक अदालत को लेकर 10 मार्च 2023 को एमएसीटी के केसों के

निपटारे के लिए प्री-लोक अदालत का आयोजन भी किया गया। एडीआर सेंटर इस लोक अदालत को लेकर सभी तैयारियां पूरी करना सुनिश्चित करें और आमजन को भी इस लोक अदालत के माध्यम से अपने एमएसीटी के केसों का निपटारा करवाने बारे जागरूक करें।

मथुरा दाऊजी मंदिर रिसीवर आर के पांडे के खिलाफ जान से मारने की शिकायत दर्ज

मथुरा/संवाददाता। बलदेव थानाक्षेत्र के कदवा निवासी विष्णु पाण्डेय के पुत्र गोकुलेश पाण्डेय 3 मार्च 2023 को घर के काम से सब्जी मण्डी गया तथा तभी मंदिर रिसीवर रामकटोर पाण्डेय पुत्र दीनदयाल आनन्द धाम कालोनी कृष्णा नगर मथुरा मेरे पास आया और मुझसे गाली देते हुए बोला कि साले तू मेरे खिलाफ बहुत शिकायते और मुकदमे न्यायालय में करता है तथा तेरा भाई बलराम ने भी मेरी न्यायालय में शिकायत और मुकदमे किये थे जिनको खारिज कराने में मेरे 2-3 लाख रुपये खर्च हो गये अब साले तूझे मेरे खर्चे के व रंगदारी सहित 6 लाख रुपये देने होंगे नहीं तो जान से मार दूंगा। इस घटना की शिकायत पुलिस अधीक्षक मथुरा को दिया। तथा पुलिस अधीक्षक जांच कराने के आदेश दिये है।

अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी कार, 7 लोग गंभीर रूप से हुए घायल

मसूरी ब्यूरो। मसूरी देहरादून मार्ग पर देहरादून से मसूरी की ओर आ रही एक झालो कार भट्ठा गांव के पास अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई.. जिसमें कार सवार 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आईटीबीपी,फायर पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को गहरी खाई से निकाला और 108 के माध्यम से मसूरी उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां घायलों का इलाज किया जा रहा है.. एसएसआई गुमान सिंह नेगी ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिली की भट्टा गांव के पास कार दुर्घटना हो गई है।

तीन नकाबपोश बदमाशों ने मारी गोली, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

प्रयागराज/रणविजय। प्रयागराज में बाइक से वसूली करने जा रहे अमीन को तीन नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर घायल कर दिया.. वही मामला सराय मरनेज थाना क्षेत्र के गोठवा गांव के पास का है.. वही अमीन के दाहिने हाथ में गोलेलगी हैं.. घायल को हॉस्पिटल में भर्तीकराया गया.. फिलहाल, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है..

रिटायर्ड फौजी के घर पर हमला, 7 लोग गंभीर रूप से हुए घायल

अलीगढ़/आकाश कुमार। अलीगढ़ के वर्तमान प्रधान ने दबंगई के बल पर रिटायर्ड फौजी के घर पर हमला किया.. जिसमें 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.. दरअसल, पूरा मामला थाना गोंडा क्षेत्र के मजपूर गांव का है.. जहाँ के वर्तमान प्रधान विजय कुमार पर रिटायर फौजी बच्चू सिंह ने घर में घुसकर मारपीट और पथराव करने का आरोप लगाया है.. घटना में 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं.. वहीं घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई है.. लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई.. जिसके चलते आज पीड़ित रिटायर फौजी ने परिवार संग एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई है।

पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों ने जमकर खेली होली

महोबा/इजरायल कुरैशी। महोबा में होली त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के उरातन आज पुलिस अधीक्षकअपर्णा गुप्ता सहित जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पुलिस लाइन महोबा में धूमधाम के साथ पुलिसिया होली खेली गयी.. इस दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी.. इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आर.के. गौतम, क्षेत्राधिकारी नगर रामप्रवेश राय समेत तमाम पुलिस बल और अधिकारी मौजूद रहे।

सलाह

रवून की कमी पूरी करती मूंगफली



मूंगफली वैसे तो हर मौसम में नमकीन जैसी और भी चीजों में इस्तेमाल होती है लेकिन सर्दियों लोग इसे बहुत शॉक से खाते हैं। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन जैसे और भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आइए जाने इसे खाने के सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

दिल के लिए: मूंगफली कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार है। इससे दिल संबंधी बीमारियों से बचा जा सकता है।

प्रोटीन से भरपूर: प्रोटीन बॉडी के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से पुराने सेल्स की मरम्मत होती है और नए सेल्स का निर्माण होता है जो रोगों से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती है।

पाचन प्रक्रिया: मूंगफली में पाया जाने वाला तेल पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या से भी राहत मिलती है। इससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है।

गर्भावस्था में जरूरी: मूंगफली का नियमित सेवन प्रेंगनेसी के लिए भी बहुत अच्छा होता है। यह गर्भावस्था में शिशु के विकास में मदद करती है।

खून की कमी: रोजाना 50 या 100 ग्राम मूंगफली रोजाना खाने से सेहत बनती है। भोजन आसानी से पचता है और शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

सेहत के लिए वरदान है अनार



अनार एक ऐसा फल है जो आपको सौ तरह की बीमारियों से दूर रखता है। यह फल खाने में जितना स्वाद है, इसके फायदे भी उतने ही हैं। अनार खून बढ़ाने से लेकर कई एंजिंग रोकने में सहायक होता है। एक अनार आपके लिए लाभदायक हो सकता है...

वायरस से मुक्ति: अनार एक ऐसा फल है जिसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी और के होता है। अनार के सेवन से शरीर में एंटी एचसीवी तत्व बढ़ता है जिससे वायरस से लड़ने में मदद मिलती है।

बूढ़ापे को रखें दूर: अनार शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाता है, जिससे आप वक से पहले बूढ़े नहीं दिखेंगे।

रक्त को रखें पतला: अनार शरीर की रक्तवाहिनी दीवार को अतिरिक्त वसा से कठोर होने से बचाता है।

गठिया से मुक्ति: अनार गठिया रोग से पीड़ित व्यक्ति के फायदेमंद होता है। यह फल कार्टिलेज को नष्ट करके जलन और सूजन से भी सुरक्षा करता है।

कैंसर: अनार का जूस प्रोस्टेट कैंसर से लड़ने में मदद करता है इसलिए रोज एक गिलास अनार का जूस पीना चाहिए।

संक्रमण से मुक्ति: अनार के सेवन से हेपेटाइटिस सी जैसे गंभीर वायरस के संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है।

मोटापा कम करें: अनार में कैलोरी नहीं होती जिसकी वजह से यह फल वजन नहीं बढ़ने देता है।

बीपी में आराम: ब्लड प्रेशर कम करने के लिए भी अनार काफी सहायक होता है।

दस्त में फायदेमंद: अनार आप दस्त से परेशान है तो अनार सहायक हो सकता है और इसका जूस मिचली को रोकने में फायदेमंद होता है।

एक्केरियम में रखें इस तरह की मछलियां, तभी मिलेगा फायदा

घर और ऑफिस में एक्केरियम रखना शुभ माना जाता है। इसको साफ और सही दिशा में रखना भी बहुत जरूरी है। यह जहां घर की खूबसूरती बढ़ाता है वहीं परिवार की खुशहाली में भी बहुत योगदान देता है। इसमें बहुत से ऐसी बातें होती हैं जो वास्तु के अनुसार आपको लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं।

1. पानी की आवाज

एक्केरियम में रखे जाने वाली पानी का आवाज घर की साकारात्मक ऊर्जा लाने में मददगार है। इससे परिवार में खुशहाली आती है। इस बात का ध्यान रखें कि पानी हर समय चलता रहना चाहिए।

2. कमरे का चुनाव

एक्केरियम रखते समय इस कमरे के चुनाव का भी ख्याल रखें। अगर कमरा शुष्क है तो इसे रखने से ऊर्जा और नमी स्थापित होती है।



3. सही दिशा

इसे रखने के लिए सही स्थान का होना भी बहुत जरूरी है। घर का दक्षिण-पूर्वी भाग एक्केरियम के लिए बैस्ट माना जाता है। इस जगह को वास्तु और पारंपरिक रूप से अच्छा माना जाता है। उत्तरी दिशा करियर प्रोथ और पूर्वी दिशा पारिवारिक शांति की बढ़ाव में मददगार है। इसके अलावा प्राकृतिक रोशनी के

कंप्यूटर और संगीत की समझ देगी

विगत कुछ वर्षों से देश में न्यूज चैनल्स की बाढ़ सी आ गई है, और इनकी बढ़ती संख्या के मद्देनजर इस प्रोफेशन में काम करने वाले लोगों की मांग भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े प्लैमर के कारण युवा इस फील्ड की ओर तेजी से खिंचे चले आ रहे हैं, लेकिन संबंधित कोर्स करने के बावजूद सभी को नौकरी मिलने में मुश्किल होती है। ऐसे में एडिटिंग खासकर नॉन-लीनियर एडिटिंग यानी एनएलई का अपडेटेड कोर्स करके प्रोडक्शन हाउस में और न्यूज चैनल में आप आसानी से नौकरी पाने में कामयाब हो सकते हैं।

अगर आप में दुश्मियों को समझने और परफेक्ट साउंडमिक्सिंग की क्षमता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं। कैमरे से शूट किए गए वीडियो को कंप्यूटर की सहायता से एडिट करके निर्धारित टाइम फ्रेम पर चलाना ही एडिटिंग कहलाता है। शूट के बाद प्रोग्राम या फिल्म की मांग के अनुसार वीडियोटेप को एडिट करके टाइम लाइन पर रखा जाता है। विजुअल्स के साथ साउंड और म्यूजिक दोनों मिक्स किए जाते हैं। पहले यह काम लीनियर एडिटिंग तकनीक से किया जाता था। लेकिन वह तकनीक बहुत महंगी

फिल्म एडिटिंग के क्षेत्र में मौका



प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, पुणे यूनिवर्सिटी

होती थी, साथ ही इसमें समय भी काफी लगता था। अब यह सारा नॉन लीनियर एडिटिंग से किया जाता है। इसमें कंप्यूटर पर एडिटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से की जाती है। किसी कार्यक्रम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत

नमक का पानी पीने से दूर होगी कई बीमारी

हर कोई चाहता है कि वह लंबे समय तक जीवित रहे और इसको किसी भी तरह की बीमारी का सामना न करना पड़े। अगर आप भी कुछ ऐसा ही चाहते हैं तो रोजाना नमक वाले पानी का सेवन करें। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से कई तरह की परेशानियां और बीमारियां दूर हो सकती हैं। शरीर हड्डियों से कैल्शियम और मिनरल लेता है। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से हड्डियां मजबूत होती हैं।



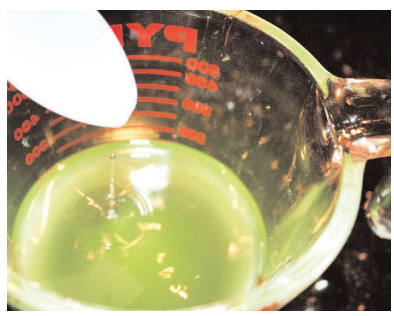
इस होममेड नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर का प्रयोग

इंफेक्शन से दूर और स्वस्थ रहने के लिए हाथों की स्वच्छता महत्वपूर्ण होती है। नियमित अंतराल में हाथ धोना शरीर में होने वाले इंफेक्शन और कीटाणुओं से होने वाले इंफेक्शन को दूर से फैलाने से रोकने के लिए जरूरी होता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) अच्छे परिणाम के लिए 20 सेकंड के लिए साफ पानी और साबुन से हाथ धोने की सिफारिश करते हैं। सीडीसी के अनुसार, अगर पानी और साबुन उपलब्ध नहीं है, तो हाथों को इंफेक्शन से दूर रखने के लिए एल्कोहल बेस हैंड सैनिटाइजर दूसरा सबसे अच्छा उपाय है। हालांकि बाजार में हैंड सैनिटाइजर की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है लेकिन इनमें मौजूद केमिकल के कारण आपको घर में उपलब्ध नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

टॉक्सिक है कमर्शियल

यूएस में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने एंटीबैक्टीरियल साबुन और संबंधित प्रोडक्ट जैसे की हैंड सैनिटाइजर की सुरक्षा के बारे में चौंकाने वाली वित्ताओं को उठाया है। एफडीए के अनुसार, सभी एंटी-बैक्टीरियल लेबल क्लॉनिंग प्रोडक्ट में ट्राइक्लोसान और ट्रिक्लोकारबन नामक केमिकल होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक होते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक एंटी-बैक्टीरियल कमर्शियल हैंड सैनिटाइजर के इस्तेमाल के नकारात्मक प्रभाव की संभावना बढ़ जाती है। नियमित रूप से इस्तेमाल से हैंड सैनिटाइजर में मौजूद ट्राइक्लोसान को हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है। अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है। इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाये, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है। यह केवल एक व्यक्ति और उनके घर को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस प्रकार ट्राइक्लोसान का उपयोग एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है। इसके अलावा

अन्य कमर्शियल केमिकल भी प्रोक्ष रूप से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। यह केमिकल त्वचा को अनगिनत पर्यावरण दूषित पदार्थों को अवशोषित करने के लिए अतिसंवेदनशील बना देता है। इसलिए आपको घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर इस्तेमाल करना चाहिए। आइए हम आपको घर में हैंड सैनिटाइजर बनाने की विधि के बारे में बताते हैं।



हैंड सैनिटाइजर बनाने के लिए जरूरी चीजें

डिस्टिल्ड वॉटर - एक कप

एल्कोहल - दो बड़े चम्मच

एलोवेरा जैल - एक चम्मच

विटामिन ई ऑयल - आधा चम्मच

टी ट्री आवश्यक तेल - दस बूंदें

दालचीनी आवश्यक तेल - दस बूंदें

लौंग आवश्यक तेल - पांच बूंदें

रोजमेरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें

नीलगिरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें

मिपिसिंग बाउल - एक

कप और चम्मच - मापने के लिए

स्प्रे बोतल - मध्यम आकार

कीप - एक

मौजूद चीजों के लाभ

» एल्कोहल कीटाणुओं को प्रभावी ढंग से मारने में मदद करता है।

» विटामिन ई युक्त तेल में मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो रबिंग एल्कोहल को कठोरता काउंटर करते हैं। आप विटामिन ई युक्त तेल के स्थान पर ग्लिसरीन का उपयोग भी कर सकते हैं।

» एलोवेरा जैल एक अत्यधिक प्रभावी एंटी-बैक्टीरियल एजेंट है और आपको त्वचा को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है।

» टी ट्री, दालचीनी, लौंग, रोजमेरी और नीलगिरी आवश्यक तेलों में कई प्रकार के एंटी-बैक्टीरियल एजेंट होते हैं। साथ ही यह सैनिटाइजर को ताजा खुशबू देते हैं।

» 2000 में जर्नल ऑफ एंटी-माइक्रोबियल कोमोथेरेपी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, बैक्टीरिया को दूर करने में टी ट्री ऑयल कई उपायों से ज्यादा प्रभावी है।

» नीलगिरी आवश्यक तेल में ई कोलाई और एस शॉरिस कीटाणुओं के खिलाफ लड़ने की शक्ति होती है।

बनाने की विधि

ऊपर दी सभी चीजों को एक साथ एक बाउल में लेकर अच्छे से मिक्स कर लें। कीप एक कप को मदद से इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में डाल दें। स्प्रे बोतल की कैप को अच्छे से बंद करके बोतल को अच्छे से हिला लें। आपका घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर उपयोग के लिए तैयार है। अपनी हथेली पर कुछ स्प्रे करें और अपने हाथों को अच्छे से रगड़ें। वैकल्पिक रूप से, आप इसे गुल्लर नॉन-स्प्रे बोतल में भी डाल सकते हैं और जैल के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

रिसिपी



विधि

काजू को पानी में 5 से 6 घंटे के लिए भिगो दीजिये। उसके बाद पानी मे से निकालकर मिक्सी से बारीक पीस कर पेस्ट बना लीजिये। उसके बाद पेस्ट में पिंसी चीनी मिला लीजिये। एक कढ़ाई में काजू का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर तब तक चम्मच से चलाते रहे जब तक गाड़ा नहीं हो जाता। इलायची पाउडर डाल दीजिये, जब मिश्रण कढ़ाई के चारो तरफ सफेद और सूखा सा दिखने लगे तब गैस बंद कर दीजिये। मिश्रण को प्लेट में निकाल लीजिये और पतला पतला फैला दीजिये। ठंडा होने के बाद उस पर वर्क लगा दीजिये। उसके बाद अपने मन पसंद अपने आकार में काट लीजिये। काजू कतली बन कर तैयार है।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंध लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी रिट्टण काट लें। पूरे मैदे की रिट्टण बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेटे तल लें। ध्यान रहे कि पेटों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेटे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेटे ठंडे होने के बाद कड़ही की सहायता से उन पर चाशनी बखेरी जाएँ, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटें की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेटों पर चाशनी चढ़ने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेटे का आनंद उठाएं।

कान से जुड़ी ये गलतियां कभी न करें!



अनमोल है कान

शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है कान, इसके बिना सुनने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह ऐसा अंग है जिसकी अधिक देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आप जानते हैं मात्र 6 हड्डियों से बने कान को आप रोज अनजाने में नुकसान पहुंचाते हैं। नहाने के बाद ईयरबड्स से कान की सफाई, हल्की खुजली होने पर उंगली से खुजलाना, बहुत तेज आवाज में ईयरफोन से कान सुनना, आदि हरकतों से कान की सुनने की क्षमता प्रभावित होती है।

कैंडल से कान की सफाई

कान में खुजली हो या फिर कान में मैल यानी ईयर वैक्स जमा हो जाये तो उसे निकालने के लिए आजकल लोग मोम का अधिक प्रयोग कर रहे हैं, इस प्रक्रिया को ईयर कैंडलिंग कहा जाता है। न्यूयार्क में हुए एक शोध की मानें तो इस तरीके से कान की सफाई कराना ठीक नहीं। इनसे कानों को नुकसान पहुंचता है, इसके कारण कान जल भी सकते हैं। इसके अलावा ईयरवैक्स जब पूरी तरह से निकल जाता है तो कान सूख जाते हैं, जिससे सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए कान को साफ करने के लिए कैंडलिंग करने से बचें।

ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना

ईयरफोन से बहुत अधिक तेज आवाज में गाना सुनने का आजकल रिवाज सा हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं इस तरह से गाना सुनने से आप बहरे भी हो सकते हैं। अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन डीफनेस' की मानें तो अमेरिका में मात्र 20 साल की उम्र में 15 प्रतिशत लोग बहरेपन का शिकार हो जाते हैं, इसका कारण ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना है। भारतीय पत्रिका में छपे शोध की मानें तो बहरेपन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार कारकों में ईयरफोन भी है। इसलिए अगर आपके अंदर भी ये आदत है, तो इसे बदल दीजिये।

कान में उंगली डालना

जब भी कान में खुजली होती है आप कान में उंगली डालकर आप खुजलाने लगते हैं। लेकिन यह आपके कान को नुकसान पहुंचाता है।



काजू कतली

सामग्री

काजू- 1 किलो, 750 ग्राम पिंसी हुई चीनी, 7 इलायची का पाउडर, 2 चांदी का वर्क

मैदा के मीठे पेटे

सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।